▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 22 ▪ अंक - 24 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 15-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तिरंगा यात्रा में शामिल हुए

6 उपलब्धियों का उत्सव, आत्ममंथन का अवसर

7 संदीपा धर ने किए शंकराचार्य मंदिर के दर्शन

80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, हितैषियों, विज्ञापनदाताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार 15 अगस्त 2026 को दक्षिण भारत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 17 अगस्त 2026 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फुल आजादी

गलियों में श्वानों को कुछ भी,
करने की है आजादी।
समझदार को सिर्फ टैक्स ही,
भरने की है आजादी।
प्रतिभाशाली युवा शक्ति को,
मरने की है आजादी।
नेताओं को जनता का हक,
हरने की है आजादी।।

सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रमों के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। सार्वजनिक संपत्तियों के उपयोग को विनियमित करने वाले एक प्रस्तावित विधेयक को लेकर जारी विवाद के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि ऐसे स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। उनकी यह टिप्पणी राज्य मंत्रिमंडल द्वारा कर्नाटक राजकीय परिसर एवं 'सार्वजनिक संपत्ति उपयोग विनियमन विधेयक, 2026' को मंजूरी दिए जाने के बाद आई है। इस विधेयक का उद्देश्य निजी व्यक्तियों, संगठनों, संघों और समितियों द्वारा सरकारी परिसरों एवं सार्वजनिक स्थलों के उपयोग को नियंत्रित करना है। बृहस्पतिवार रात पत्रकारों की ओर से पूछे गए इस सवाल पर कि क्या मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से उसके

कार्यक्रम के लिए अनुमति लेने की अनिवार्यता पर चर्चा की है तो शिवकुमार ने कहा, ''अनुमति सभी के लिए आवश्यक है।'' उन्होंने कहा, किसी विशिष्ट संगठन या संस्था के बारे में कोई विशेष चर्चा नहीं हुई है। हालांकि, चाहे कोई राजनीतिक दल हो या कोई संगठन, कार्यक्रम आयोजित करने से पहले पुलिस को सूचित करना और अनुमति लेना एक सामान्य प्रक्रिया है। इससे पुलिस को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था करने में मदद मिलती है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह नियम सरकार समर्थित आयोजनों पर भी लागू होगा। उन्होंने कहा, ''ग्रेटर बेंगलूरु विकास मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा के नेतृत्व में 'फ्रीडम हब्बा' का आयोजन किया जा रहा है और इसके लिए भी अनुमति ली गई होगी।'' बेंगलूरु में नागरिकों की पहल पर आयोजित फ्रीडम हब्बा' स्वतंत्रता दिवस को शहर की सांस्कृतिक विविधता के उत्सव में बदलने की कोशिश है। 15 अगस्त को विधान सौधा के पास आयोजित इस समारोह में संगीत, खान-पान और जन भागीदारी वाली परेड समेत कई कार्यक्रम होंगे। गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह विधेयक सरकारी भूमि, भवनों, खेल के मैदानों, पार्कों, सड़कों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों के जिम्मेदारी से उपयोग के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करेगा और उनके दुरुपयोग को रोकेगा। यह घटनाक्रम उन खबरों के बीच सामने आया है जिनमें कहा गया था कि इस कानून का उद्देश्य गैर-पंजीकृत संगठनों, विशेषकर आरएसएस को पूर्व अनुमति के बिना सार्वजनिक संपत्तियों पर कार्यक्रम आयोजित करने से रोकना है।

चमोली सुरंग हादसा : सात की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपश्वर/भाषा। उत्तराखंड के चमोली जिले में टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (टीएचडीसी) की विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में पानी एवं मलबा घुसने से सात लोगों की मौत हो गई है तथा तीन लापता लोगों की तलाश जारी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एन. के. जोशी ने बताया कि हादसे के समय सुरंग में कुल 22 कर्मचारी मौजूद थे। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की शुक्रवार सुबह नौ बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार, बृहस्पतिवार रात भर चले राहत एवं बचाव अभियान के दौरान सुरंग से 19 लोगों को बाहर निकाला गया जिनमें से सात लोगों की मौत हो गई और तीन लापता लोगों की तलाश जारी है। लापता लोगों की पहचान झारखंड निवासी लुकास टोपनो तथा छत्तीसगढ़ निवासियों चेतन पोयाम और देवनाथ के रूप में हुई है।

एनसीबी ने वीरेंद्र सिंह बसोया की यूएई से वापसी सुनिश्चित की : अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के सरगना और भगोड़े आरोपी वीरेंद्र सिंह बसोया की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से वापसी सुनिश्चित की है। गृह मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली

सरकार विदेशों में छिपे मादक पदार्थ तस्करों का लगातार पता लगा रही है और कठोर रवैया अपनाते हुए उनके पूरे नेटवर्क को खत्म कर रही है।'' उन्होंने कहा कि एनसीबी ने यूएई से बसोया की वापसी सुनिश्चित करके नशीले पदार्थों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति में ''एक नया मील का पत्थर'' स्थापित किया है। उन्होंने कहा, ''अपराधी का पता लगाने के लिए चहुंमुखी रणनीति अपनाते हुए हमारी एजेंसियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि मादक पदार्थ तस्कर चाहे कहीं भी छिप जाएं, वे भारतीय कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकते।''

बंटवारे का दंश इतिहास कभी नहीं भूल पायेगा : शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि 14 अगस्त, 1947 का दिन इतिहास के सबसे क्रूर अध्यायों में से एक का साक्षी है और देश के बंटवारे का यह दंश कांग्रेस की देन है जिसे इतिहास कभी भूल नहीं पायेगा। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 14 अगस्त, 1947 का दिन इतिहास के उस क्रूरतम अध्याय का साक्षी है, जिसमें अमानवीय पीड़ा सहते हुए लाखों लोगों को अपना जीवन गंवाना पड़ा और करोड़ों लोगों को घर, संपत्ति और अपनों को छोड़कर विस्थापित होना पड़ा।

उन्होंने कहा, ''देश के बंटवारे का यह दंश, जो कांग्रेस की देन है, उसे इतिहास कभी भूल नहीं पायेगा। इस विभीषिका में अपने प्राण गंवाने वाले और अत्याचारों के खिलाफ संघर्ष करने वाले सभी लोगों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं।''

।। श्री वरकाणा पार्श्वनाथाय नमः ।।
।। श्रीमद् आत्म वल्लभ समुद्र इन्द्रदिन्न नित्यानंद सद्गुरुभ्यो नमः ।।

धर्मनगरी बेंगलुरु की धन्य धरा पर

गोडवाड वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति के तत्वावधान में

पंजाब केसरी परम पू. आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय वल्लभसूरीश्वरजी म.सा. के समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति, भारत सरकार द्वारा "पद्मश्री" से सर्वोच्च नागरिक सम्मान से विभूषित, कल्याणक तीर्थोद्धारक,

शांतिदूत श्रीमद् विजय नित्यानंद सूरीश्वरजी म.सा.

विश्व शांति प्रदायक महामंगलकारी भव्यतम-दिव्यतम संक्रान्ति समारोह

श्रावण शुक्ल 5, सोमवार, 17.8.2026

* पंन्यास प्रवर श्री धर्मशील विजयजी म.सा. * मुनिराज श्री मोक्षानंद विजयजी म.सा. * मुनिराज श्री धरणेन्द्र विजयजी म.सा.
* मुनिराज श्री ज्ञानानंद विजयजी म.सा. * तपस्वी मुनिराज परमानंद विजयजी म.सा. आदि ठाणा
* साध्वी सिद्ध प्रज्ञा श्रीजी म.सा. * साध्वी रश्मि प्रज्ञा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा

आत्मिक - आमंत्रण

मंगलमय कार्यक्रम

प्रभु भक्ति, गुरु कृपा, दान और अनेकविध धार्मिक अनुष्ठानों को समर्पित संक्रान्ति महोत्सव

महामांगलिक संक्रान्ति समारोह - प्रातः 10.00 बजे

स्थल : गोड़वाड़ भवन, बेंगलूरु

साधार्मिक भक्ति : 12.15 बजे से

लाभार्थी परिवार

मातृ-पितृ श्रीमती सीतादेवीजी-रतनचन्दजी नाहर एवं श्रीमती शोभादेवीजी नाहर की स्मृति में

श्री रमेशचन्दजी, पवनचन्दजी-अंजनाजी

यशोवर्धन, सुनंदा, अचिरा, याशिका एवं

समस्त नाहर परिवार, बेंगलूरु, चेन्नई, सिकंद्राबाद, कुचेरा(राज.)

M/s : RATANCHAND RAMESHCHAND

Gandhinagar , Bangalore 560 009

आप सभी श्रद्धालुजन इस महामंगलकारी, सुखकारी मांगलिक में सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

चेयरमैन

दिलीप घेवरचन्दजी सुराणा भंवरलाल हस्तीमलजी रांका विक्रम भीमराजजी करबावाला

निवेदक : गोडवाड वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति 2026, बेंगलुरु • संपर्क सूत्र : 98454 12014

युवाओं के समक्ष चुनौती बनकर उभर रही आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस पर हुई गंभीर चर्चा

दर्पण फाउंडेशन का 51वां उपनिषद् सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राम-राज्य में प्रजाहित सर्वोपरि नमोकार मंत्र उच्चारण और दीप प्रज्वलन के साथ आरम्भ हुए जैन मानद् विश्वविद्यालय में 'भारतीय धरोहर' विषय पर गुरुजी श्री नंदकिशोर और पद्मभूषण विभूषित पुरातत्त्वविद् डॉ के के मोहम्मद के बीच आयोजित दर्पण फाउंडेशन के 51वें उपनिषद् में ऐसे अनेकों प्रश्न उभरे जो वर्तमान समय में युवाओं के सामने चुनौती और भय बनकर खड़े हो रहे हैं। डॉ मोहम्मद ने पूछा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का क्या भविष्य है और मनुष्य के साथ, ख़ासकर युवाओं के रोजगार की समस्या के संदर्भ में यह कैसे पेश आएगी?

गुरुजी ने अपने उत्तर में कहा कि युवाओं को इससे डरने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि ए-आई न चेतन है न जागृत। मनुष्य को अपनी चेतना को निरंतर विकसित करते रहना चाहिए ताकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से सदैव दो कदम आगे रहे तो जो चुनौती भय उत्पन्न कर रही है वही अवसर बनकर हर्ष और उत्साह का कारण बनेगी। रामायण के सीता वनवास गमन प्रसंग में भगवान राम के प्रजा के राजा और सीता के पति होने की उनकी दो अस्मिताओं के बीच आए उनके न्याय प्रिय होने के द्वन्द्व पर भी चर्चा हुई। प्राथमिकता तय कर निर्णय लेने के संदर्भ में क्या मर्यादा पुरुषोत्तम की मर्यादा अक्षुण्ण रही ? गुरुजी ने इसका तर्क सम्मत परंतु राम चरित्र में श्रद्धा और भी गहरी करने वाला उत्तर देकर करतल ध्वनि के रूप में सभा का पुरस्कार प्राप्त किया। कृष्ण जन्म भूमि मथुरा और ज्ञानवापी स्थल वाराणसी पर डा. मोहम्मद ने अपना पक्ष रखकर गुरुजी से जानना चाहा कि क्या इन दोनों के बाद शांति पूर्ण हल निकालने के बाद रिक्लेमेशन की ये खोजें रोक नहीं देनी चाहिए? उन्होंने खुलकर कहा कि मुस्लिम समुदाय को स्वेच्छा से पहल कर मथुरा व काशी के 'स्थान' हिंदू समाज को सौंप देने चाहिए।

इस उपनिषद में छात्रों से कहीं अधिक प्रश्न छात्राओं ने पूछे। यह बात उनके अधिक जागरूक होने की पुष्टि करती है। विश्वविद्यालय के कॉमर्स, कंप्यूटर्स और कला संकाय के विद्यार्थियों के अध्यापको, विभागाध्यक्षों समेत अनेक गणमान्य लोगों की अच्छी भागीदारी इस उपनिषद में देखने को मिली।

एक अच्छे उद्देश्य के साथ आयोजित हुआ एक दिवसीय 'महिला उत्थान मेला'

'नारायणी की रसोई' ने आयोजित किया मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की नारायणी की रसोई' महिला संस्था द्वारा शुक्रवार को माहेश्वरी भवन में एक दिवसीय 'महिला उत्थान मेले' का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन धीर साप्ताहिक के संस्थापक धीरेन्द्र कुमार, समाजसेवी कमलेश डूंगरवाल व भरत जाजू सहित बसंत सारड़ा, मुख्य प्रायोजक वेणुगोपाल बजाज, सहप्रायोजक संगीता दीपक साबू, नारायणी की रसोई की श्वेता बियाणी, निर्मला काँकाणी, कांता काबरा आदि ने दीप प्रज्वलन कर किया। श्वेता बियाणी ने अन्नदान योजना की विस्तार से जानकारी देते हुए सभी का स्वागत किया। धीरेन्द्र कुमार ने कहा कि महिलाओं द्वारा जरूरतमंदों को प्रत्येक माह किसी एक दिन भोजन कराना एक अनुकरणीय कार्य है। उन्होंने नारायणी की रसोई टीम के कार्यों की सराहना की। सभी अतिथियों ने महिलाओं के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन रितू चितलांगिया ने किया तथा पल्लवी गिलड़ा ने सभी प्रायोजकों, स्टॉल मालिकों व ग्राहकों को धन्यवाद दिया।

इस मेले में विभिन्न प्रकार के उत्पादों के %5 स्टॉल लगाए गए जिनमें सुबह से ही संभावित ग्राहकों की भीड़ देखने को मिली। यह मेला महिला सशक्तिकरण व नारायणी की रसोई अन्नदान' योजना को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से लगाया गया। इसी दिन महिला सदस्याओं ने माहेश्वरी भवन के सामने 600 से अधिक लोगों के लिए अन्नदान किया तथा अपने हाथों से चलते हुए राहगीरों, बस यात्रियों, आटो ड्राइवरों को भोजन उपलब्ध कराया।

ज्ञातव्य है कि संस्था हर माह एक बार माहेश्वरी भवन के सामने नारायणी की रसोई के नाम से सैंकड़ों लोगों को भोजन करवाती हैं। इस मेले से प्राप्त आय का उपयोग भी अन्नदान योजना के लिए ही किया जाएगा।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जेसीआई बेंगलूरु कॉस्मो की टीम उमंग द्वारा जोन अध्यक्ष दौरे के अवसर पर ईटा मॉल में 'सस्टेनेबल सिपिंग-सिपिंग बॉटल्स फॉर अ ग्रीनर प्लैनेट' कार्यक्रम के तहत 51 स्टील की सिपिंग बोतलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को कम कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में जोन अध्यक्ष प्रज्वल जैन, जोन संयोजक श्रीकांत एचसी की उपस्थिति में उमंग की अध्यक्ष ललिता बोथरा, मंत्री रीना गांधी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

किसी को दुख पहुंचाना भी हिंसा है : अभिजीतमुनि

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जीव अजर अमर है। जीव-अजीव की परिभाषा बताते हुए उन्होंने कहा कि जिस वस्तु पदार्थ में चेतना है वह जीव है और अजीव चेतनाविहिन होता है। इस अंतर को समझकर हम जीव-अजीव के ज्ञाता दृष्टा बन सकते हैं। संसार के दुःख दर्द को चेतना अर्थात जीव आत्मा अनुभव करती है। शरीर सिर्फ हिंसा का माध्यम है। समय, आयुष्य समाप्ति से पहले किसी जीव को मारना या प्राण रहित करना ही हिंसा है। किसी की आत्मा को दुख पहुंचाना भी हिंसा है। रवि मुनि जी ने विपाक सूत्र का वाचन करते हुए जीव, पाप अशुभ, दुःख, कर्म की भोग दशा का वर्णन किया। संचालन विनोद कुमार पोरवाल ने किया।

अच्छी सोच से परिवार में सुख, समृद्धि का होता है संचार : ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में ज्ञानमुनिजी ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि अनुप्रेक्षा का मतलब नमन करना, चिंतन करना है। हमेशा हमारी सोच सकारात्मक होनी चाहिए, नकारात्मक विचारों से दूर रहना चाहिए। आज के समय में लोग सकारात्मक सोच कम और नकारात्मक सोच ज़्यादा रखते हैं। जीवन में अच्छी सोच रखने वाले व्यक्ति के परिवार में सुख, समृद्धि का संचार होता है। ये मत सोचिए कि हम ग़रीब हैं, अच्छी सोच विचार रखने वाले लोग ज्ञान के धनी होते हैं। उन्हें दुःख में कभी रोना नहीं पड़ता, इसी का नाम समभाव है। मिलना बिछड़ना समभाव से होता है।

धर्म करने से अंतराय कर्म का क्षय होता है। जन्म हमारी पुनवानी है, सब कर्मों के अनुसार अच्छा होता है। जिंदगी में मनुष्य का जन्म कहीं और होता है, शिक्षा कहीं और, मरण कहीं और, इस पर किसी का जोर नहीं चलता है।

लोकेश मुनिजी ने कहा कि स्वाध्याय से ज्ञान प्राप्त होता है। संदेह होने पर ज्ञानी से प्रश्न पूछने से ज्ञान बढ़ता है। प्रश्न पूछना ही एक प्रकार का स्वाध्याय है। उच्चारण सही करना गुरु के माध्यम से ही संभव होता है। कर्मों का कम ज्यादा होना ही कर्मों का स्वभाव है। इस मौके पर विभिन्न तपस्वियों ने तप के प्रत्याख्यान लिए। संघ के अध्यक्ष डॉ. भीकमचंद सकलेचा और नंदकिशोर समदड़िया ने तपस्वियों का सम्मान किया। संघ के मंत्री अशोक बाँठिया ने संचालन किया।

भावों की शुद्धि से होती है कर्मों की निर्जरा : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि भगवान महावीर के कर्म विज्ञान का नियम है कि कारण के बिना कार्य की सिद्धि नहीं होती है। अर्थात कारण के बिना कार्य नहीं होता है। तीर्थंकर परमात्मा ने सब क्रियाओं में भावों की प्रधानता बतलाई है। हर क्रिया की प्रतिक्रिया जरूर होती है। हमें कर्म अनुबंध पर रोक लगानी है। शुभ भावों से पुण्य और अशुभ भावों से पाप का बंध होता है। अतः साधक कर्म करते समय सतत् जागरूक बन कर कर्म करना चाहिए जिससे हमारी आत्मा के कर्मों का बंधन नहीं हो। साध्वी नैतिकश्रीजी ने मानव को समय का सदुपयोग करने पर जोर देते हुए कहा कि समय व्यक्ति की अनमोल सम्पत्ति है। समय को व्यर्थ बर्बाद नहीं करना चाहिए और प्राप्त समय का सदुपयोग अच्छे धर्म कार्यों, ज्ञान ध्यान सीखने में, धर्म साधना आराधना जप तप करने में और सेवा, परोपकार, सुकृत के कामों में करना चाहिए। साध्वी ऋजु प्रज्ञा जी ने आचारांग सूत्र के माध्यम से अपनी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि संसार कर्म रूपी आत्मा कैदी के समान है और कर्म सत्ता की सरकार संसार रूपी जेल के समान है। संघ के उपाध्यक्ष जयंतिलाल कवाड़ ने स्वागत किया। मंत्री छगनमल लुणावत ने सभी तपस्वियों की अनुमोदना की।

धर्म और धर्मात्मा के साथ किया गया छल-कपट घोर दुर्गति का कारण : डॉ समकितमुनि

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में बेंगलूरु चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित 'संजीवनी चातुर्मास-2026' में डॉ. समकित मुनिजी ने जिनवाणी की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि तीर्थंकर परमात्मा की वाणी सनातन, शाश्वत, कल्याणकारी और मंगलकारी है।जिनवाणी त्रिकाल में सत्य एवं शंका रहित है। यह जीवन में निरंतर नई ताजगी का संचार करती है तथा व्यक्ति को कर्मशुद्धि और आत्मशुद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ाती है। उन्होंने जीवन का एक महत्वपूर्ण नियम बताते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में यह संकल्प लेना चाहिए कि वह धर्म और धर्मात्मा के साथ कभी झूठ या कपट नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि झूठ और कपट करने के लिए बाहरी संसार तो बहुत है, लेकिन धर्म और धर्मात्मा के साथ किया गया पाप, झूठ अथवा कपट कितना भी छोटा क्यों न हो, अत्यंत खतरनाक होता है। यह आत्मा को घोर दुर्गति की ओर ले जाने वाला तथा उसके पतन का प्रमुख कारण बनता है।

संतश्री ने कहा कि धर्मस्थान में आकर कभी किसी को छलना या उल्लू नहीं बनाना चाहिए। प्रवचन में द्रौपदी के रोचक एवं प्रेरक कथानक को आगे बढ़ाते हुए आज नागश्री के जीवन प्रसंग का वर्णन किया गया। व्यक्तिगत जीवन के व्यवहार पर प्रकाश डालते हुए मुनिश्री ने कहा कि इंसान को हमेशा गुणग्राही बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया अपने स्वार्थ के लिए व्यक्ति को ऊपर चढ़ाती है और स्वार्थ पूरा होने के बाद नीचे गिराने में भी देर नहीं करती। दूसरों की प्रशंसा करना और दूसरों से मिली प्रशंसा को हजम करना-दोनों ही बहुत बड़ी कला है। इसे जीवन में अपनाना चाहिए। व्यक्ति की वाणी और व्यवहार सदैव मधुर होना चाहिए, क्योंकि मधुर वाणी और सद्व्यवहार व्यक्ति के व्यक्तित्व को ऊंचाई प्रदान करते हैं।

सभा में जयवंत मुनिजी ने सुमधुर एवं प्रेरणादायी गीत की प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमुदाय को भाव-विभोर कर दिया। वहीं भवान्त मुनि ने पार्श्व पद्मावती एकासना' आराधना विधिवत रूप से श्रावक-श्राविकाओं से संपन्न करवाई।

'सावन के रंग, तिरंगे के संग' कार्यक्रम में झलकी संस्कृति व देशभक्ति की झलक

जीतो नार्थ लेडीज विंग ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) नॉर्थ लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में गांधीनगर स्थित जीतो कार्यालय में 'सावन के रंग, तिरंगे के संग' कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें 100 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। लक्ष्मी बाफना ने मुख्य अतिथियों, प्रायोजकों का स्वागत किया। संयोजिका मोना आंचलिया एवं सह-संयोजिका बिंदु नाहर के समन्वय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जीतो लेडीज़ विंग साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी, पूर्व चेयरपर्सन निशा सामर एवं रत्नीबाई मेहता की विशेष उपस्थिति थी। कार्यक्रम में राज्यवार नृत्य, गायन एवं नाट्य प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। नाट्य प्रतियोगिता में मोनिका एवं समूह ने प्रथम स्थान, नृत्य में बिंदु नाहर प्रथम तथा जया जैन को ऑडियंस चॉइस पुरस्कार मिला। गायन में मधुबाला बरलोटा प्रथम, निशा सामर द्वितीय तथा शांति सकलेचा को ऑडियंस चॉइस पुरस्कार मिला।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में समिति सदस्याओं द्वारा देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में संबंधित संस्थाओं की सदस्याएं उपस्थित थीं। मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने निर्णायक नेहा चौधरी एवं शीतल जैन का सम्मान किया।

आईटीआई लिमिटेड

सीआईएन सं: एल32202केए1950जीओआई000640
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय: आईटीआई भवन, दूरवाणीनगर, बेंगलूरु - 560016
वेबसाईट : www.itiltd.in; ई-मेल: cosecy_crp@itiltd.co.in
दूरभाष: +91(80) 2561 7486; फैक्स: +91 (80) 2561 7525

30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए समेकित अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

लाख रु. में सिवाए प्रति शेयर ऑकड़े

क्रम सं.	विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
		30.06.2026	31.03.2026	30.06.2025	31.03.2026	31.03.2025
		अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1.	प्रचालन से कुल आय	42,503	62,765	49,801	218,372	361,642
2.	अवधि के लिए निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक मद और अपवादी मद के पहले कर)	(3,233)	(2,313)	(5,971)	(15,636)	(26,819)
3.	कर के पूर्व निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक और अपवादी मद के पश्चात कर)	(3,233)	(2,313)	(5,971)	(15,636)	(26,819)
4.	कर के पश्चात की अवधि का निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक और अपवादी मद के पश्चात कर)	(3,225)	43,610	(6,361)	29,283	(21,489)
5.	अवधि के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि)	-	(849)	-	(849)	(392)
6.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [अवधि के लिए लाभ / (हानि) (कर के पश्चात्) और अन्य व्यापक आय (कर के पश्चात्) शामिल]	(3,225)	42,761	(6,361)	28,434	(21,881)
7.	इक्विटी शेयर पूँजी का भुगतान	96,285	96,285	96,089	96,285	96,089
8.	अन्य इक्विटी (पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियाँ को शामिल किए बिना) जैसा कि पिछले वर्ष की लेखापरीक्षित तुलन-पत्र में दिखाया गया है।		94,278		94,278	66,369
9.	अर्जन प्रति शेयर (10रू./प्रति) (जारी रखने एवं बंद किए गए कार्यों के लिए)					
	1. बेसिक (रू. में)	(0.33)	4.53	(0.66)	3.04	(2.24)
	2. डायल्युटेड (रू. में)	(0.33)	4.53	(0.66)	3.04	(2.24)

टिप्पणी :

क) 30.06.2026 को समाप्त अवधि के लिए उपर्युक्त वित्तीय परिणाम लेखापरीक्षा समिति द्वारा 13.08.2026 को समीक्षा की गई और संस्तुति के पश्चात् निदेशक मंडल द्वारा 13.08.2026 को संपन्न बैठक में अनुमोदित किए गए।

ख) स्टैंडअलोन कुंजी की वित्तीय जानकारी :

विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
	30.06.2026	31.03.2026	30.06.2025	31.03.2026	31.03.2025
	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
प्रचालन से कुल आय	42,503	62,765	49,801	218,372	361,642
कर के पूर्व लाभ	(3,233)	(2,313)	(5,971)	(15,636)	(26,819)
कर के पश्चात लाभ	(3,247)	43,591	(6,332)	29,279	(23,315)
अवधि के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि)	-	(849)	-	(849)	(392)
अवधि के लिए कुल व्यापक आय [अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर के पश्चात्) और अन्य व्यापक आय (कर के पश्चात्) शामिल]	(3,247)	42,742	(6,332)	28,430	(23,707)

ग) उपर्युक्त विवरण, सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों के सम्मुख प्रस्तुत 30 जून 2026 को समाप्त वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। 30 जून 2026 को समाप्त तिमाही की वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप बीएसई लिमिटेड की वेबसाईट www.bseindia.com पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाईट www.nseindia.com और कंपनी की वेबसाईट www.itiltd.in पर उपलब्ध है।

बोर्ड के आदेशानुसार
कृते आईटीआई लिमिटेड

दिनांक : 13.08.2026
स्थान : बेंगलूरु

सी वी रामण बाबू
निदेशक वित्त एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी

मातृछाया की शॉपिंग प्रदर्शनी 'पहचान सीजन-7' शुरू

बेंगलूरु। जैन महिला संगठन 'मातृछाया' द्वारा आयोजित दो दिवसीय पहचान सीजन-7' शॉपिंग प्रदर्शनी शुक्रवार को होटल त्रिशला रेजीडेंसी में शुरू हुई। दीप प्रज्वलन त्रिशला महावीरचंद दांतेवाड़िया परिवार, कांताबाई महावीरचंद समदड़िया परिवार एवं कमलाबाई भंवरलाल श्रीश्रीमाल परिवार के साथ संगठन की पदाधिकारियों द्वारा किया गया। संघवी रमेश बाफना, तेजराज कोठारी, पारसमल नागोरी, महावीरचंद राठौड़ एवं कांतिलाल सोनीगरा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने मातृछाया की 28 वर्षों की सेवा यात्रा का उल्लेख किया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि प्रदर्शनी में 51 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार के उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। ममता डोसी ने सभी का स्वागत किया। राजकुमारी चांदावत ने प्रदर्शनी की जानकारी दी। कांताबाई समदड़िया एवं त्रिशला दांतेवाड़िया ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि साधर्मिक परिवारों को व्यवसाय और प्रतिभा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के मंच आज की आवश्यकता हैं। सचिव रेशमा बड़ोला ने कार्यक्रम का संचालन किया। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम संयोजिका नीलम ललवानी ने बताया कि प्रदर्शनी में हर घंटे लकी ड्रॉ निकालकर आकर्षक पुरस्कार दिए गए। सह संयोजिका पुष्पा बाफना, मोनिका पालरेचा व उनकी टीम ने व्यवस्था संभाली। पहले दिन बड़ी संख्या में महिलाएं इस प्रदर्शनी में खरीददारी के लिए उमड़ी।

सद् गुणों से कम हो सकते हैं राग और द्वेष : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

हैदराबाद्। शहर के कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति की ओर से चल रहे विमल वर्षावास में सभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि राग और द्वेष संसार के मूलबीज हैं। भगवान महावीरस्वामी का उपदेश है कि प्रत्यक्ष-परोक्ष जीवन में आने वाली सारी समस्याएं इन्हीं की उपज हैं। इन्हें नियंत्रित या नष्ट किए बिना आध्यात्मिक विकास नहीं हो सकता। सद्गुण राग-द्वेष को कम करने का श्रेष्ठ उपाय है। गुणीजनों की संगति, सत्साहित्य का पठन और सद् गुणों के प्रति लगाव जीवन में धीरे-धीरे गुणों के भंडार को भरते हैं। सदगुणों की वह अमूल्य निधि ही मनुष्य के मन से राग-द्वेष को कम करने का काम करती है। आसक्ति, ममत्व, इच्छाएं, वासनाएं, माया-कपट, लोभ-लालसा, ईर्ष्या, अभिमान, क्रोध, झूठ, चोरी, निंदा, प्रपंच आदि हजारों दोष-दुर्गुण हैं, जो राग-द्वेष की संतानें हैं। संसार के हर प्राणी के दुःखों और समस्याओं के ये ही कारक तत्व हैं। सद्गुणों का विकास इन दोषों-दुर्गुणों को दूर करता है और जीवन को सुख-शांति व उन्नति की ओर अभिमुख करता है। ये ही आध्यात्मिक साधना के अमर सूत्र हैं। जीवन में इनके निरंतर प्रयोग किए जाने चाहिए।

पुलिस इंस्पेक्टर नईम एम. राष्ट्रपति पदक से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्वतंत्रता दिवस-2026 के अवसर पर लोक भवन, बेंगलूरु में कर्नाटक के राज्यपाल के सचिवालय में तैनात पुलिस इंस्पेक्टर नईम एम. को पुलिस विभाग में सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है। पुलिस विभाग में सराहनीय सेवा के लिए इस वर्ष कर्नाटक से कुल 17 पुलिस कर्मियों को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है, जिनमें लोक भवन में तैनात पुलिस इंस्पेक्टर नईम एम भी शामिल हैं।

नईम एम. ने वर्ष 2002 में कोलार जिले के केजीएफ में पुलिस कॉन्स्टेबल के तौर पर कर्नाटक राज्य पुलिस विभाग में नौकरी शुरू की थी। पिछले 23 सालों में उन्होंने जांच, सुरक्षा, खुफिया जानकारी और अंतरराष्ट्रीय संपर्क के क्षेत्रों में बेहतरीन सेवा दी है।

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने देश भर के बड़े आतंकवादी मामलों सहित राष्ट्रीय महत्व के कई मामलों का पता लगाने और उनकी जांच करने में अहम भूमिका निभाई। वे लश्कर-ए-तैयबा से लेकर जैश-ए-मोहम्मद, इंडियन मुजाहिदीन, जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश, नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड, अल-कायदा और अन्य आतंकवादी संगठनों* से जुड़े आरोपियों से पूछताछ करने में माहिर हैं।

उन्होंने नकली करेंसी के जटिल मामलों को भी संभाला है और बांग्लादेश और नेपाल की सीमाओं से कई आरोपियों को गिरफ्तार करने में अहम भूमिका निभाई है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में, उन्हें कर्नाटक राज्य पुलिस के पहले ऐसे अधिकारी होने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने जांच के लिए दुबई की यात्रा की और एक आरोपी को वापस बेंगलूरु लाए। यह राज्य पुलिस के इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि है।

सेनेगल से रवि पुजारी के प्रत्यर्पण तथा सऊदी अरब से आरोपियों के डिपोर्टेशन में इंस्पेक्टर नईम ने अहम भूमिका निभाई है। उन्हें अंतरराष्ट्रीय महत्व वाले मामलों को संभालने के लिए विशेष अधिकारी के तौर पर पहचाना जाता है। वे सीडीआर एनालिसिस के विशेषज्ञ हैं और उन्होंने वैज्ञानिक पूछताछ तकनीकों में विशेष प्रशिक्षण लिया है, जो विभाग के लिए एक बहुत काम का साधन साबित हुआ है। लोक भवन में वीवीआईपी दौरों और सुरक्षा व्यवस्था के दौरान उनके बेहतर तालमेल के लिए कर्नाटक के माननीय राज्यपाल ने व्यक्तिगत रूप से उनकी सराहना की है।

सरकारी स्थानों के उपयोग को विनियमित करने संबंधी विधेयक को लेकर कांग्रेस, भाजपा में तकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा के बीच शुक्रवार को प्रस्तावित कर्नाटक सरकारी परिसर और सार्वजनिक संपत्ति उपयोग विनियमन विधेयक, 2026 को लेकर तीखी तकरार हुई। इस विधेयक को राज्य मंत्रिमंडल ने 13 अगस्त को मंजूरी दी थी। इस विधेयक का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों और सरकारी परिसरों के उपयोग को विनियमित करना है। इसके तहत विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए सक्षम अधिकारियों से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि यह विधेयक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को निशाना बनाने के उद्देश्य से लाया गया है, वहीं कर्नाटक के गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि इसमें कहीं भी किसी संगठन का नाम नहीं लिया गया है। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने पिछले साल तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखकर सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था। खरगे ने लिखा था, आरएसएस नामक एक संगठन सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक मैदानों पर अपनी शाखाएं आयोजित कर रहा है, जहां नारे लगाए जाते हैं और बच्चों तथा युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं।

उन्होंने कहा था कि ''ऐसी गतिविधियां भारत की एकता और संविधान की भावना के विरुद्ध हैं।'' मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर आयोजित किसी भी कार्यक्रम के लिए अनुमति लेना जरूरी है, भले ही उसका आयोजन सरकार ही क्यों न कर रही हो। प्रस्तावित विधेयक में कहा गया है कि सरकार के संज्ञान में आया है कि कई निजी संगठन, संघ और समूह बिना पूर्व अनुमति लिए या संबंधित अधिकारियों को सूचित किए बिना, अपनी गतिविधियों, कार्यक्रमों, समारोहों और सभाओं के आयोजन के लिए सार्वजनिक परिसरों और सरकारी संपत्तियों, जैसे भूमि, खेल के मैदानों, पार्क, सामुदायिक भवन और सार्वजनिक सड़कों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें कहा गया, ''क्षेत्राधिकार वाले उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को ऐसे आवेदनों पर विचार करने तथा सार्वजनिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और उपद्रव या विभाजनकारी गतिविधियों' को रोकने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अनुमति देने या इनकार करने का अधिकार देना आवश्यक है।'' पथ संचलन को भी जुलूस की श्रेणी में रखा गया है, जिसके लिए सक्षम प्राधिकारी से अनुमति लेना आवश्यक होगा।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। उनका यह बयान सार्वजनिक संपत्ति के उपयोग को विनियमित करने वाले प्रस्तावित विधेयक को लेकर जारी विवाद के बीच आया है। शिवकुमार ने बृहस्पतिवार की रात पत्रकारों से कहा, ''सभी के लिए अनुमति लेना जरूरी है।'' उन्होंने इस बात से इनकार किया कि किसी विशेष संगठन या संस्था को लेकर कोई खास चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, ''हालांकि, किसी भी व्यक्ति, राजनीतिक दल या संगठन के लिए किसी कार्यक्रम के आयोजन से पहले पुलिस को सूचित करना और अनुमति लेना एक सामान्य प्रक्रिया है। इससे पुलिस को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था करने में मदद मिलती है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नियम सरकार के कार्यक्रमों पर भी लागू होगा। मंत्री प्रियंक खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह विधेयक सरकारी जमीन, इमारतों, खेल के मैदानों, पार्कों, सड़कों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करेगा और उनके दुरुपयोग को रोकेगा। उन्होंने कहा, ''हर कोई यह क्यों सोच रहा है कि यह किसी खास संस्था, संघ, संगठन, सोसाइटी, क्लब, यूनियन, सिंडिकेट या एनजीओ पर अंकुश लगाने या उनकी गतिविधियों को सीमित करने के लिए है? यह मेरी समझ से बाहर है।''

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 08-एक्साईएन-डब्ल्यूएस-यूबीएलएस-एसपीआरएस-2026 दिनांक: 07.08.2026
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
रेलवे इंस्टीट्यूट नॉर्थ / हुब्बल्लि में जरूरी सामान के साथ स्टैंडर्ड फुटबाल-सह-क्रिकेट टर्फ स्थापित करने के साथ इसका अर्थ वर्क, फेंसिंग आदि कार्य करना।	₹46,67,319.07

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 31.08.2026 को 15:30 बजे तक
विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in
कार्यपालक अभियंता / कैरिज रिपेयर वर्कशॉप / हुब्बल्लि
PUB/369/AAD360/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, पीएनआर स्थिति की जांच और अधिक रेलवे सेवाओं की जानकारी के लिए रेलवन एप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRCLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं. सीएन / 03 / 2026-27 दिनांक: 10.08.2026
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण
95265205	इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के लिए जॉइंटलेस सिल्वर बेयरिंग ग्रूव्ड कॉपर कॉन्टैक्ट वायर 107 एमएम (इसे लगातार कास्ट की गई सिल्वर बेयरिंग कॉपर रॉड से बनाया गया), आरडीएसओ विनिर्देशन नं. टीआई / एसपीसी / ओएचई / सीडब्ल्यू (सीयू-एजी)/0130 (05/2025) और अगर कोई नवीनतम बदलाव हुआ है तो उसके अनुसार। आरडीएसओ द्वारा मंजूर वेंडर से लिया हुआ (सामग्री सिर्फ आरडीएसओ / सीओआरई सोर्स से ही लिया जाना चाहिए)

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 01.09.2026 को 10:30 बजे तक
विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, निर्माण, बेंगलुरु कैंट
PUB/372/AAD360/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, पीएनआर स्थिति की जांच और अधिक रेलवे सेवाओं की जानकारी के लिए रेलवन एप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRCLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा दिए गए भाषण स्थल का 'शुद्धिकरण' का डॉ. आनंद ने किया विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अनुसूचित जाति (एससी) विभाग के एआईसीसी राष्ट्रीय समन्वयक और महाराष्ट्र के प्रभारी डॉ. आनंद कुमार ने हल्द्वानी के रामलीला मैदान में उस स्थान पर कथित तौर पर आयोजित शुद्धिकरण अनुष्ठान की घटना पर चिंता व्यक्त की है, जहां राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान भाषण दिया था। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब देश अमृतकाल के दौरान एक और स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, उस स्थान पर शुद्धिकरण यज्ञ का कथित प्रदर्शन जहां खरगे ने भाषण दिया था, चौंकाने वाला और बेहद चिंताजनक है।

उन्होंने कहा, संसद के उच्च सदन में विपक्ष के नेता के भाषण के मंच को 'शुद्ध' करने की मानसिकता ही चिंताजनक है। यह अमानवीय रवैया है। किसी व्यक्ति की जाति, जन्म, धर्म या सामाजिक स्थिति को 'अशुद्धता' का मापदंड मानना संविधान की मूल भावना का घोर अपमान है। हल्द्वानी की घटना केवल व्यक्तिगत मामला नहीं है; यह समाज के सभी शोषित वर्गों के खिलाफ किया गया एक गंभीर अन्याय है। एक बयान में उन्होंने कहा, जाति के नजरिए से लोगों को देखने वाली मानसिकता को सबसे पहले शुद्ध करना होगा। जातिगत भेदभाव से कठोर हो चुके मन को पानी से साफ नहीं किया जा सकता। ऐसा रवैया समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और मानवीय गरिमा के खिलाफ है। किसी अन्य पार्टी के सदस्यों पर आरोप लगने पर जांच की मांग करना और अपनी ही पार्टी के सदस्यों पर आरोप लगने पर चुप रहना न तो मानवीय है और न ही संवैधानिक राजनीति।

शिवकुमार मंत्रिमंडल में महिला मंत्रियों की अनुपस्थिति पर भाजपा ने विरोध जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने हाल में विस्तारित मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के मंत्रिमंडल में महिलाओं को शामिल नहीं किये जाने पर विरोध जताते हुए शुक्रवार को विधान सौधा परिसर में प्रदर्शन किया। भाजपा विधायकों ने सत्तारूढ़ कांग्रेस को ''महिला-विरोधी'' बताते हुए राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाए। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने इस प्रदर्शन की अगुवाई की। उनके साथ कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता सी. नारायणस्वामी और महिला विधायकों समेत अन्य विधायक भी शामिल हुए। भाजपा विधायक विधान सौधा परिसर के प्रवेश द्वार पर स्थित नाड देवी भुवनेश्वरी की प्रतिमा के पास एकत्र हुए और बाद में भवन की ओर मार्च किया। कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए विजयेंद्र ने कहा कि आबादी में महिलाओं की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत है और उन्हें समान अवसर तथा पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी नीत सरकार ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के कदम उठाए, जिसका कांग्रेस और राहुल गांधी ने विरोध किया था।

विजयेंद्र ने आरोप लगाया, ''लेकिन कर्नाटक में, कांग्रेस सरकार खुद महिलाओं को प्रतिनिधित्व न देकर पूरे महिला समुदाय का अपमान कर रही है।'' उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल में एक महिला मंत्री को शामिल करने की घोषणा के बाद उनका नाम हटाना ''अपमानजनक'' था। विजयेंद्र ने दावा किया कि ऐसी खबरें थीं कि एक महिला को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा, लेकिन बाद में उनका नाम हटा दिया गया। उन्होंने याद दिलाया कि कर्नाटक 12वीं सदी के समाज सुधारक बसवन्ना की भूमि है और 12वीं सदी की समाज सुधारक व कवयित्री अक्का महादेवी की जन्मभूमि है। उन्होंने आरोप लगाया, ''ऐसे राज्य को पूरे देश के लिए एक मिसाल कायम करनी चाहिए थी। लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य के इतिहास में पहली बार मंत्रिमंडल में एक भी महिला मंत्री के बिना विधानसभा सत्र आयोजित किया जा रहा है।''

अशोक ने सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसने मंत्रिमंडल में एक भी महिला को जगह न देकर महिलाओं के साथ ''विश्वासघात'' किया है।

सिद्दरामय्या के 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद तीन जून को शिवकुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ 13 अन्य मंत्रियों ने भी पद एंव गोपनीयता की शपथ ली थी। कार्यभार संभालने के दो महीने बाद तीन अगस्त को शिवकुमार ने 19 और मंत्रियों को शामिल कर अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया जिससे मुख्यमंत्री सहित मंत्रिमंडल में सदस्यों की संख्या 33 हो गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तिरंगा यात्रा में शामिल हुए

उदयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को सादुलशहर कस्बे में राष्ट्रध्वज थामकर आंबेडकर सर्किल से अरूट चौक तक तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। इससे पहले जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा यात्राओं में लोगों का जोश और जुनून इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्रध्वज हमारे दिलों में बसता है। उन्होंने कहा, यह हमारे गौरव और राष्ट्रीय चेतना की विरासत और पहचान है और हमें स्वतंत्रता तथा उससे जुड़े इतिहास की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत आयोजित हो रही तिरंगा यात्राओं से नयी पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना तथा राष्ट्र सेवा और राष्ट्र प्रथम के संकल्प को मजबूती मिल रही है।

उन्होंने कहा, तिरंगे के साथ राजस्थान का गहरा संबंध है। आजाद भारत में फहराया गया पहला तिरंगा राजस्थान में बना था। दौसा के आलूदा गांव के बुनकरों ने उस तिरंगे के लिए खादी का कपड़ा बुना और गोविंदगढ़ में इसे रंग कराकर तिरंगे का रूप दिया गया था।

लापता बुजुर्ग पति-पत्नी के शव घर में रखे बक्से के अंदर से बरामदः पुलिस

उदयपुर। उदयपुर जिले में दो दिन से लापता बुजुर्ग दंपत्ति के शव उनके घर में एक बक्से के अंदर से बरामद हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। थानाधिकारी शैतान सिंह नाथावत ने बताया कि मृतकों की पहचान सायरा थाने के पुनावली गांव के रहने वाले लहरीलाल पालीवाल (65) और उनकी पत्नी राधा देवी (62) के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों बुधवार सुबह से लापता थे। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को परिवार के सदस्यों को घर से बदबू आई, जिसके बाद उन्होंने तलाशी ली और एक बक्सा खोला जिससे बदबू आ रही थी।

बक्से के अंदर दोनों के शव रखे हुए थे। पुलिस को संदेह है कि दोनों हत्या मंगलवार देर रात की गई होगी और बाद में उनके शव बक्से में रख दिए गए होंगे। थानाधिकारी ने बताया कि बक्से को छिपाने के लिए उसके ऊपर बिस्तर रखा गया था।

युवक ने आत्महत्या की, पत्नी व ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में एक युवक ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने उनकी पत्नी व ससुराल वालों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र थाने के थानाधिकारी रविंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित युवक के भाई की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित जितिन कुमार सादुलशहर (गंगानगर) कस्बे का था और पिछले करीब आठ महीने से यहां मल्होत्रा नगर में किराए के फ्लैट में रह रहा था। वह विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र में एक कारखाने में सेल्स मैनेजर के तौर पर काम करता था।

पुलिस के अनुसार जितिन ने एक अगस्त को अपने फ्लैट में कथित तौर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को जितिन का शव फंदे से लटका हुआ मिला। सिंह ने बताया कि परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में कमरे की तलाशी के दौरान पुलिस को चार पन्नों का कथित 'सुसाइड नोट' मिला। इसमें जितिन ने कथित तौर पर अपनी मौत के लिए पत्नी शेफाली, उसके माता-पिता और भाई यानी अपने साले को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने बताया कि उसने यह भी आरोप लगाया कि पत्नी उसे अपनी बेटी से बात करने या मिलने नहीं देती थी और कथित तौर पर बच्चे का इस्तेमाल करके उससे पैसे की मांग करती थी। अपनी शिकायत में जितिन के भाई पार्श्व गिल्होत्रा (29) ने आरोप लगाया कि शादी के तुरंत बाद ससुराल वाले उसके भाई को उसके रंग-रूप को लेकर ताने मारते थे और उस पर माता-पिता से अलग रहने का दबाव डालते थे। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि उसके खिलाफ झूठा मामला दर्ज करवाया गया था। पुलिस ने बताया कि ताजा प्रकरण में जांच जारी है।

चित्तौड़गढ़ और माउंट आबू में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मानसून की सक्रियता से राजस्थान के अनेक इलाकों में पिछले कई दिनों से जोरदार बारिश हो रही है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक बीते 24 घंटे में चित्तौड़गढ़ और माउंट आबू में भारी बारिश हुई। इसके अनुसार, आज सुबह 8.30 बजे तक बीते 24 घंटों में चित्तौड़गढ़ और माउंट आबू में भारी बारिश हुई। इन दोनों जगह पर सबसे ज़्यादा 98 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस दौरान कई अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। जयपुर और बारां जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई।

मौसम केंद्र के अनुसार आज 14 अगस्त से जोधपुर, उदयपुर व अजमेर संभाग के अधिकतर भागों से बारिश की गतिविधियों में कमी होने की संभावना है। हालांकि बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। वहीं 15 अगस्त से राज्य के उत्तरी व उत्तर-पूर्वी भागों को छोड़कर अधिकतर भागों में बारिश की गतिविधियों में कमी होगी।

'जल अर्पण' प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण पहल : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के 16 अगस्त को प्रस्तावित निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़) एवं अलवर दौरे की तैयारियों की मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में समीक्षा की। उन्होंने संबंधित जिला प्रशासन को कार्यक्रमों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़) में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभा स्थल, मंच, पार्किंग, हेलीपैड, सुरक्षा, चिकित्सा, विद्युत एवं सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली और सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही चित्तौड़गढ़ एवं अलवर जिलों के कुल 1,877 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी होगा।

मुख्य सचिव ने 'जल अर्पण' को प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि यह जल जीवन मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। इसके तहत प्रदेश के 2,500 गांवों की 1,212 पूर्ण योजनाओं का शुभार्पण प्रस्तावित है। उन्होंने सभी जिलों में व्यापक भागीदारी और विशेष रूप से भीलवाड़ा, सवाई माधोपुर, टोंक एवं पूर्वी राजस्थान के जिलों में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल विभाग हेमन्त कुमार गेरा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव पशुपालन विकास सीतारामजी भाले, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल, शासन सचिव एवं पंजीयक सहकारिता विभाग डॉ. समित शर्मा, शासन सचिव सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग डॉ. रवि कुमार सुरपुर, शासन सचिव कार्मिक विभाग श्रीमती अर्चना सिंह, सचिव मुख्यमंत्री राजस्थान एवं शासन सचिव सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी जिला कलेक्टर, संभागीय आयुक्त जयपुर तथा संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

सहकारिता विभाग के कर्मियों को हर घर तिरंगा अभियान के लिए किया गया प्रेरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता विभाग की ओर से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर ''मंजिल की ओर बढते कदम'' कार्यक्रम का आयोजन आरएस क्लब में किया गया जिसमें सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों, नवाचारों एवं भावी कार्ययोजना हेतु प्रेरित किया गया। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक तथा शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ने कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सहकारिता विभाग एवं विभिन्न सहकारी संस्थाओं के अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि गत ढाई वर्षों में सहकारिता विभाग द्वारा उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है तथा सहकार से समृद्धि कार्यक्रम कें अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पहलों में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य की पहचान स्थापित की है। उन्होंने इस दौरान सहकार से समृद्धि, सहकारिता में सहकार, राजफैड की प्रमुख उपलब्धियां एवं भावी कार्ययोजना, विभागीय भावी कार्ययोजना, राजस्थान राज्य सहकारी बैंक की उपलब्धियां, राजस्थान भूमि विकास बैंक की उपलब्धियां एवं कॉनफैड की उपलब्धियां के बारे में विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार डॉ. समित शर्मा ने 'मंजिल की ओर बढ़ते कदम' तथा सहकारिता विभाग एवं आरसीएस ऑफिस की 10 प्राथमिकताओं के बारे में चर्चा की गई साथ ही विभाग में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समयबद्धता, कार्य संस्कृति का निर्माण, प्रशासन में पारदर्शिता, सुशासन की स्थापना हेतु प्रेरक पीपीटी के माध्यम से कार्मिकों को प्रोत्साहित किया गया।

इस दौरान पैक्स की ऑडिट, भारत टैक्सी की उपलब्धियों एवं भावी कार्ययोजना, सहकारिता विभाग में हुए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन यथा-राजसहकार पोर्टल, राजफैड एमएसपी ओपीआर पोर्टल एवं राजफेड किसान मोबाईल एप आदि। उन्होंने आरसीएस ऑफिस की आधारभूत संरचना में हुए सुधार जैसे:- लिफ्ट, कैंटिन, फ्लैग, आरसीएस ऑफिस की स्वच्छता, एसी मरम्मत आदि कार्यों एवं कार्मिकों में कार्य संस्कृति के निर्माण के साथ सहकार वन के बारे में विस्तार से चर्चा की।

समारोह के दौरान सहकारिता विभाग एवं विभिन्न संस्थाओं के उत्कृष्ट कार्य करने वाले संजय पाठक, श्रीमती अभिलाषा पारीक, दिलीप पारीक, पंकज आसोपा, सुरेश कुमार, पवन कुमार, शशि शेखर, नीरज शर्मा, शिवराज मालव, संजय वर्मा, जगदीष सिंह, गौरव सिंह, पंकज सामरिया, अशोक विश्नोई, श्रीमती सपना, भूरसिंह, तरूण भादू, सोनू कुमार, हरिराम बेडा, श्रीमती कपिला चोयला, करण सिंह, सुषील बिसु, धर्मेंद्र सिंह, श्रीमती दीपिका सिंह, क्षितिज सेठी, धर्मेंद्र कुमार, श्रीमती गीता रानी, शैलेष सोनी, राजेश गुर्जर, शिशिर रस्तोगी, राकेश माथुर, शंशाक जैन, श्रीराम यादव, पुनीत पारीक एवं विष्णु पारीक को प्रशस्ति-पत्र तथा स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत एवं अन्य देशभक्ति गीत गाए गए। साथ ही इस अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को तिरंगा वितरित किया गया।

सीमा के सजग प्रहरी बीएसएफ के जवान राष्ट्र के गौरव : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरहद पर तैनात बीएसएफ के जवान राष्ट्र की सुरक्षा के सजग प्रहरी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ अर्द्धसैनिक बलों को तकनीक और अत्याधुनिक संसाधनों से लैस करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अनूपगढ़ के 2 बीएनएम पहुंचकर बीएसएफ चौकी की बॉर्डर आउटपोस्ट एवं सैन्य हथियारों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान जवानों से संवाद में उन्होंने कहा कि 'जीवन पर्यन्त कर्तव्य' के ध्येय वाक्य को सार्थक करते हुए बीएसएफ त्याग, शौर्य, साहस एवं समर्पण से देश की सुरक्षा और संप्रभुता को और मजबूत कर रही है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ के जवानों ने भारतीय सेना के साथ अदम्य साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया। सीमा सुरक्षा के साथ-साथ बीएसएफ के जवान आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी अभियानों और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीएसएफ घुसपैठ और तस्करी रोकने के साथ ही सीमापार से आने वाले हथियारों, गोला-बारूद, विस्फोटकों और मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इस वर्ष 30 जून तक 22 हजार 867 करोड़ रुपये मूल्य के नारकोटिक्स जब्त किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बीएसएफ के जवानों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। साथ ही, सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं तथा कनेक्टिविटी को भी मजबूत किया गया है। इससे सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हुई है, वहीं सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ के जवानों ने मरु क्षेत्र में लाखों पौधे लगाकर पर्यावरण प्रहरी के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है। प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार द्वारा 'मिशन हरियालो राजस्थान' के तहत पांच वर्ष में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित कर अब तक 24 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सीमा सुरक्षा बल के जवान महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। केन्द्र और राज्य सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई 'वाइब्रेंट विलेज' योजना के तहत पानी, बिजली, आवास जैसी स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने 23वीं वाहिनी बीएसएफ परिसर में पौधारोपण किया। वहीं, बीएसएफ की महिला जवानों ने मुख्यमंत्री को रक्षासूत्र बांधा।

निदेशालय में पदस्थापित चिकित्सकों को ब्लॉक स्तर पर मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की मॉनिटरिंग के निर्देश

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, मौसमी बीमारियों की रोकथाम, टीबी मुक्त भारत अभियान तथा 104 जननी एम्बुलेंस सेवा सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्रीमती राठौड़ ने मातृ मृत्यु के प्रकरणों की जिलेवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधीक्षक, ट्रीटिंग डॉक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जानकारी ली। कोटा में हुई एक मातृ मृत्यु के मामले में समुचित जांच नहीं किए जाने को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित एएनएम को निलम्बित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रसूता अथवा अन्य मरीज के उपचार के दौरान परिजनों को स्थिति की पूरी जानकारी दी जाए तथा आवश्यकता होने पर उनकी समुचित काउंसलिंग भी की जाए।

प्रमुख शासन सचिव ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए निदेशालय में पदस्थापित सभी चिकित्सकों को ब्लॉक आवंटित कर जिम्मेदारी निर्धारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच, सुदृढ़ रेफरल व्यवस्था और स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने पर जोर दिया। चिकित्साधिकारी प्रभारी एवं एएनएम की सेवाओं में सुधार के लिए नियमित समीक्षा एवं आमुखीकरण बैठकें आयोजित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आगामी 15 दिनों में संभावित प्रसव वाली उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उनकी आवश्यक जांच समय पर करवाने तथा जरूरत के अनुसार अस्पताल में भर्ती कर समुचित उपचार उपलब्ध करवाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जीवों को शांति तथा शीतलता देने वाला है शांत सुधारस ग्रंथ : मुनिश्री मोक्षानंदविजय

गोड़वाड़ भवन में 17 को भव्य संक्रांति का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गोड़वाड़ भवन में गच्छाधिपति जैनाचार्य नित्यानंदसूरीश्वरजी के गतिमान गुरुकृपा चातुर्मास के अंतर्गत शुक्रवार को प्रवचन देते हुए मुनिश्री मोक्षानंदविजयजी ने कहा कि संसार में सर्वत्र मोह माया का ही बोलबाला है। जगत के जीव मोहाग्रस्त होकर अज्ञान के अंधकार में भटक रहे हैं। शांत सुधारस ग्रंथ के रचनाकार महोपाध्याय श्री विनय विजयजी ने ग्रंथ के प्रारंभ में संसार को भयानक जंगल बताया है जिसमें पांच आश्रव की निरंतर घनघोर बरसात हो रही है, कर्म रूपी लताएं चारों तरफ बिखर कर बढ़ती जा रही हैं। कषायों का कीचड़ और विषयों का विष भर चुका है। मोह का अमावसी अंधेरा फैला हुआ है और ऐसे गहन जंगल में जीव को बाहर निकलने का मार्ग नहीं सूझ रहा है। ऐसे में संसार की विचित्रता और विषमता को समझ कर मोह के आवरण को हटा कर कभी कभी कोई एक आत्मा को बुद्धत्व प्राप्त होता है। वे ज्ञान के आलोक से जगत के जीवों को सन्मार्ग का बोध देते हैं। उनके आलम्बन से जो जो जीव जागृत हो जाते हैं वे भव वन से बाहर आकर मुक्ति महल में बस जाते हैं । संसार में संतप्त और संत्रस्त जीवों को शांति तथा शीतलता देने वाला अमृतकुंभ शांत सुधारस ग्रंथ है ।

उन्होंने कहा, अनित्य, अशरण आदि 12 भावनाओं का चिंतन जीव को मोह जाल से बाहर निकलने का रास्ता दिखाता है। 84 लाख जीव योनियों में अनंती बार जन्म मरण करते हुए एक बार पुनः मनुष्य भव की प्राप्ति हुई है। मनुष्य भव ही मोक्ष का प्रवेश द्वार है। देव, त्रियंच या नर्क से आत्मा सीधे मोक्ष नहीं जा सकती। मनुष्य भव प्राप्त करके कर्म शत्रुओं को परास्त करने में जो आत्माएं प्रबल पुरुषार्थ करती हैं उनके लिए मुक्ति का द्वार खुल जाता है।

जप, तप, दान और पुण्य करना सरल है किंतु मोह को हराना बड़ा मुश्किल है। शुक्रवार को सिकन्द्राबाद कंचन बाजार संघ ने आचार्यश्री से आगामी चातुर्मास के लिए निवेदन किया।गोडवाड़ वल्लभ चातुर्मास आयोजक समिति की ओर से कुमारपाल सिसोदिया, रमेशकुमार चांदावत, विमल गांग व गोपाल सिसोदिया आदि द्वारा सिकंदराबाद ट्रस्ट मंडल का सम्मान किया गया।

दोपहर में वरकाणा पार्श्वनाथ भगवान के आराधनार्थ सामूहिक आयंबिल तप का आयोजन हुआ जिसमें बहुत बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओं ने भाग लिया। 16 अगस्त को सुबह 9 बजे मातृ पितृ वंदना का संवेदनात्मक कार्यक्रम होगा और 17 अगस्त को भव्य संक्रांति का आयोजन विराट स्तर पर होगा।

सनातन परंपराओं की रक्षा के लिए एकता आवश्यक : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि लोगों के बंटने और एकता की कमी की वजह से देश ने बहुत नुकसान उठाया, इसलिए सनातन परंपराओं की सुरक्षा के लिए एकता जरूरी है। दिवंगत महंत परमहंस रामचंद्र दास महाराज की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राम जन्मभूमि आंदोलन, अयोध्या के कायाकल्प और धार्मिक स्थलों खासकर संभल से जुड़े ऐतिहासिक विवादों पर विस्तार से बात की।

उन्होंने कहा, अगर किसी चीज़ की कमी है तो वह एकता की कमी है। एक साथ खड़े होने, एक स्वर में बोलने और साथ मिलकर आगे बढ़ने की क्षमता की कमी है। इतिहास को प्रेरणास्रोत के तौर पर और समाज के लिए सीख के तौर पर लेना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, आज 14 अगस्त है। स्वतंत्रता से एक दिन पहले 14 अगस्त, 1947 को न केवल हिंदू और सिख बंटे हुए थे, भारत खुद में बंटा हुआ था। जब पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदू मारे गए तो राजनीतिक पार्टियां और उनके नेता चुप रहे।

उन्होंने संभल हिंसा की याद दिलाते हुए कहा कि 2024 के संघर्ष के बाद राज्य सरकार ने शांति बहाल करने के लिए कदम उठाए और कथित अतिक्रमणों को हटाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने संभल का इतिहास खंगाला और धार्मिक स्थलों से जुड़ी जमीन पर कथित अतिक्रमण की पहचान की।

आदित्यनाथ ने कहा, हमने सभी अतिक्रमण हटा दिए। करीब 1,000 एकड़ भूमि से अतिक्रमण हटाकर जमीन वापस ले ली और इसे गरीबों, दलितों और कमजोर तबकों को आबंटित कर रहे हैं। एक सरकारी लैंड बैंक का भी सृजन किया जा रहा है और हम वहां एक बड़ा जिला मुख्यालय बनाएंगे। उन्होंने दावा किया कि जो संभल कभी सांप्रदायिक हिंसा से जुड़ा था, अब वह बदल चुका है। उन्होंने कहा कि अब वहां कोई दंगे नहीं होते और शांति है।

अयोध्या के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या को हिंदू परंपरा में सात पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है और इसे इसी के अनुरूप इसका आध्यात्मिक, सांस्कृतिक व भौतिक विकास होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने राम जन्मभूमि आंदोलन में हिस्सा लेने वाले संतों को अयोध्या के परिवर्तन का श्रेय दिया।

शिष्टाचार भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को कर्नाटक सरकार के लघु सिंचाई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. अजय धरमसिंह से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार, महासचिव प्रेम सिंह, सचिव वीरेन्द्र सिंह, बेंगलूरु के अध्यक्ष सुनील सिंह एवं उत्तरी बेंगलूरु के अध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह उपस्थित थे।

मानसिक और भावनात्मक बंधन होता है जीवन का वास्तविक बंधन : मुनिश्री वीरसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली में अपने दैनिक प्रवचन में मुनिश्री वीरसागर जी ने शुक्रवार को विनय का चमत्कार विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन का वास्तविक बंधन बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि उसके भीतर निर्मित मानसिक और भावनात्मक बंधन हैं।

चिंता, क्रोध, भय, मोह, अहंकार और नकारात्मक विचार व्यक्ति को अदृश्य बंधनों में बाँधकर उसकी आंतरिक स्वतंत्रता को सीमित कर देते हैं। बाहरी बंधन दिखाई देते हैं और उनसे मुक्ति का प्रयास सहज होता है, लेकिन मन के बंधन अधिक सूक्ष्म होते हैं। व्यक्ति अनेक बार अपने दुःख का कारण परिस्थितियों को मानता है, जबकि वास्तविक संघर्ष उसके भीतर चल रहे विचारों और भावनाओं से होता है, इसलिए सच्ची स्वतंत्रता बाहरी परिस्थितियों से भागने में नहीं, बल्कि अपने भीतर के बंधनों को पहचानकर उनसे ऊपर उठने में है। मुनिश्री ने कृतज्ञता को अहंकार दूर करने का प्रभावी माध्यम बताते हुए कहा कि निःस्वार्थ कृतज्ञता हृदय को कोमल बनाती है और मन को हल्का करती है।

विभाजन के बाद बिजनौर आकर रह रहे लोगों को नागरिकता, जमीन के दस्तावेज दिए : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि विभाजन के बाद पाकिस्तान से आकर बिजनौर में बसे लोगों को नागरिकता और जमीन के दस्तावेज दिए गए हैं। योगी ने लखनऊ में विभाजन विभीषिका पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, जब मैं बिजनौर गया तो वहां ऐसे करीब 8,000 से 10,000 लोग थे, जिन्हें पाकिस्तान से विस्थापित किया गया था। कल्पना कीजिए कि वे 1947 में पाकिस्तान से आए थे, लेकिन उन्हें अपना घर कहने के लिए स्थायी जगह तक नहीं मिली थी।

उन्होंने कहा, इनमें सिख और पंजाबी लोग शामिल थे। भाजपा सरकार ने उन्हें नागरिकता दी और जमीन के दस्तावेज उपलब्ध कराए। मैं पीलीभीत भी गया, जहां हमने बांग्लादेश से विस्थापित हजारों परिवारों के दस्तावेज नियमित किए, उन्हें जमीन के कागजात उपलब्ध कराए और उनके लिए नागरिकता की भी व्यवस्था की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेश से विस्थापित सताए गए हिंदुओं और बौद्धों को लखीमपुर खीरी में नागरिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि रामपुर में पाकिस्तान से विस्थापित सिख परिवार हैं, जिनके दस्तावेज दुरुस्त किए जा रहे हैं और उन्हें नागरिकता देने की प्रक्रिया जारी है।

योगी ने कहा कि वास्तव में देश का विभाजन नहीं होना चाहिए था लेकिन जब यह त्रासदी हुई तो विस्थापित लोगों को नागरिकता और पट्टे पर जमीन देने की जिम्मेदारी कांग्रेस की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को यहां उतनी ही संपत्ति आवंटित करनी चाहिए थी, जितनी संपत्ति वहां नष्ट या जब्त की गई थी इसके बजाय, वह शत्रु संपत्ति पर कब्जा करने या उसे बचाने में लगी रही।

सेना से सेवानिवर्त मेजर जनरल ने रुद्राक्ष शिवलिंग के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के किंतनहल्ली स्थित लक्ष्मी ओरा फार्म हाउस में पंडित राजेन्द्रकुमार शर्मा एवं ओमप्रकाश शर्मा के सान्निध्य में 12.50 लाख रुद्राक्षों से बनाए गए शिवलिंग प्रांगण में माह में प्रतिदिन रुद्राभिषेक, पूजा, आरती, भजन संध्या का आयोजन हो रहा है। थल सेना से सेवानिवर्त मेजर जनरल नरपतसिंह राजपुरोहित एवं स्वामी दयानंद स्वामी ने बुधवार को पवित्र शिवलिंग के दर्शन किए तथा पूजा आरती में शामिल हुए। इस अवसर पर सुरेशकुमार मेहता,गौतमकुमार मेहता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

धर्म, गुरु और परमात्मा से भी बढ़कर होती है मातृभूमि : संतश्री कमलेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हब्लदकेरी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर कहा कि जनता जितना महापुरुषों से प्यार करती है उन पर न्योछावर होती है, उतना ही धरती माता के साथ सौतेला व्यवहार करती है जबकि इसी माटी से मंदिर, चर्च, गुरुद्वारा, मस्जिद का निर्माण हुआ है। माटी यानी मातृभूमि धर्म, गुरु और परमात्मा से बढ़कर है। इसके सहयोग के बिना जीने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। शहीदों के सम्मान में विदेशी वस्तु का त्याग करना चाहिए।

इस मौके पर हमें नशे से मुक्त बनना, संस्कृति रक्षा के प्रति समर्पित, संस्कारवान और चरित्रवान देश का निर्माण करने का संकल्प लेना चाहिए।

देश हिंसा और आंतकवाद से मुक्त हो। राष्ट्रधर्म ही असली आत्मा और प्राण हैं।हमें राष्ट्र से प्रेम करना चाहिए यही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उपस्थित जनों ने स्वतंत्रता दिवस को किसी भी त्यौहार से ज्यादा उत्साह से मनाने का संकल्प लिया।

स्वाध्यायी प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए 32 स्वाध्यायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के तत्वावधान में 47वां स्वाध्यायी प्रशिक्षण शिविर हलसूर स्थित स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट, चातुर्मास समिति में आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी व डॉ पदमचंद्रजी आदि के सान्निध्य में आयोजित हुआ जिसमें 32 स्वाध्यायी सदस्यों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

चातुर्मासार्थ विराजित संतों ने पंच दिवसीय शिविर में प्रतिदिन जीवा बयालिसी एवं वर्णमाला प्रवचन के आधार से जीवों के स्वरूप का बोध कराया एवं तत्वों का ज्ञान कराया। डा. पदमचंद्रजी ने आगमिक एवं सैद्धांतिक धारणाओं पर विशेष विचार प्रस्तुत किए, साथ ही कथा-कौशल के माध्यम से अध्यात्म, व्यवहार और हित शिक्षाओं की कला सिखाई।

शुक्रवार को समापन के मौके पर स्वाध्याय संघ के अध्यक्ष भंवरलाल कवाड़ ने सभी करा धन्यवाद दिया। चातुर्मास समिति द्वारा भंवरलाल कवाड़ का सम्मान किया गया। मंत्री चंद्रप्रकाश मुथा ने संचालन किया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी के मकान से संबंधित मामले में सुनवाई 21 अगस्त तक स्थगित

अयोध्या/भाषा। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी लवकुश मिश्रा की पत्नी के निर्माणाधीन मकान से जुड़े मामले की सुनवाई शुक्रवार को नहीं हुई और अब अगली तारीख 21 अगस्त तय की गई है।

मिश्रा की पत्नी को अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने बनबीरपुर-सोहावल में बिना मंजूरी के मकान बनाने के लिए नोटिस भेजा था, क्योंकि जमीन उसकी पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम पर खरीदी गई थी।

शुक्रवार को एडीए में इस मामले की सुनवाई होनी थी, लेकिन एडीए के सचिव राजेश मिश्रा ने बताया कि वह कार्यालय में नहीं है, इसलिए सुनवाई नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि सुनवाई की अगली तारीख 21 अगस्त तय की गई है। एडीए का आरोप है कि निर्माण कार्य में भवन नियमों का उल्लंघन किया गया है।

आजम खान को गृह मंत्री बनाने संबंधी शिवपाल के बयान पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने तंज कसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव के इस बयान पर शुक्रवार को तंज कसा कि सपा के सत्ता में आने पर आजम खान को गृह मंत्री बनाया जाएगा।

आदित्यनाथ ने कहा, आज सपा उन्हीं (आजम खान) की वकालत करती है जिन्होंने देश की स्वतंत्रता का विरोध करने और भारत के विभाजन का पक्ष लेने वाले एक व्यक्ति (मोहम्मद अली जौहर) के नाम पर एक विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि सपा ने घोषणा की है कि यदि वह सत्ता में आई तो उन्हें गृह मंत्री बनाएंगे। वे फिर से दंगा भड़काना चाहते हैं।

आदित्यनाथ विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। बुधवार को यादव ने कहा था कि यदि 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद उनकी पार्टी की सरकार बनी तो जेल में बंद राज्य के पूर्व मंत्री आजम खान को गृह मंत्री बनाया जाएगा। यादव ने बुधवार को रामपुर की जिला जेल में आजम खान और उनके छोटे बेटे अब्दुल्ला आजम खान से मुलाकात की थी।

विभाजन के जख्मों को भुलाया नहीं जा सकता : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि मुस्लिम लीग की तरफ से ''भारत पर थोपे गए'' विभाजन के जख्मों को भुलाया नहीं जा सकता और किसी को भी फिर से देश को ''नुकसान पहुंचाने'' की इजाजत नहीं दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने देश के विभाजन के बाद हुए दंगों में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''हम उस थोपे गए विभाजन के जख्मों को कभी नहीं भूलेंगे जो मुस्लिम लीग ने मां भारती को दिए थे, जिसमें अनगिनत बेगुनाह लोगों की जान चली गई थी।''

उन्होंने कहा, ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर हम उन सभी लोगों को याद करते हैं जिन्होंने अपने प्राण न्योछावर किए और संकल्प लेते हैं कि किसी को भी दोबारा देश को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं देंगे।'' भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार 2021 से 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मना रही है। यह दिन देश के विभाजन के बाद हुए दंगों और उसके बाद हुए पलायन में जान गंवाने वालों की याद में मनाया जाता है। देश में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा।

रांची में प्रदर्शन के दौरान छात्र नेता देवेंद्र महतो को बचाते समय मुझे पीटा गया : मप्र का व्यक्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के 10 अगस्त को झारखंड विधानसभा की ओर मार्च के दौरान पुलिस द्वारा किये गये लाठीचार्ज में घायल मध्यप्रदेश का शिवम सिंह रांची के सदर अस्पताल में भर्ती है। मध्यप्रदेश के सतना जिले के निवासी शिवम सिंह (36) का अस्पताल के आपातकालीन विभाग की 'हाई-डिपेंडेंसी यूनिट' (एचडीयू) में उपचार किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिंह को 11 अगस्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनकी हालत स्थिर है। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 10 अगस्त को जब हम विधानसभा की ओर बढ़ रहे थे, तब पुलिस ने छात्र नेता देवेंद्र महतो और कई छात्रों को सुरक्षा घेरे में ले लिया। जब हमने पुलिस से अनुरोध किया कि कम से कम महतो को विधानसभा परिसर में जाने दिया जाए, तो उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने हमसे वहीं बैठने को कहा क्योंकि वे बातचीत का इंतजाम कर रहे थे। लेकिन पुलिस रात होने का इंतजार कर रही थी।

उन्होंने दावा किया, जैसे ही रात हुई, उन्होंने (पुलिस ने) स्ट्रीट लाइट बंद कर दीं और लगभग सौ पुलिसकर्मी हाथों में लाठियां लेकर दौड़े और महतो तथा उनके आस-पास मौजूद आंदोलनकारी छात्रों की पिटाई करने लगे। स्ट्रेचर पर लेटे महतो पर हमला किया गया और उसी पल मैं दौड़कर उनके पास गया और उन्हें गले लगा लिया। जब मैंने ऐसा किया, तो पुलिस ने मेरे सिर, गर्दन, कंधों, पीठ और कमर पर लाठियां मारीं। उन्होंने अपनी मेडिकल रिपोर्ट दिखाई और दावा किया कि मेरी एमआरआई रिपोर्ट में रीढ़ की हड्डी में सात चोटें पाई गई हैं। सिंह ने कहा, अगर मेरी जगह छात्र नेता देवेंद्र महतो होते, तो आप स्थिति का अंदाजा लगा सकते हैं।

सुविचार

कठिनाइयाँ जीवन की परीक्षा हैं। इनसे घबराएं नहीं, इनसे सीखें और निखरें। धैर्य बनाए रखें, विजय आपकी होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सशक्त भारत बनाने का लें संकल्प

दुनिया के लिए 15 अगस्त कैलेंडर की एक तारीख है और हमारे लिए आजादी का दिन। इस दिन हमारे पूर्वजों की वह साधना सफल हुई थी, जो वे सदियों से कर रहे थे। हमें वर्ष 1947 में आजादी मिली थी, और तब से अब तक कैलेंडर बदलता गया। हिन्दुस्तान के हालात और आम लोगों के जज़्बात भी बदलते गए। वहीं, कुछ चीजें ऐसी हैं, जो अब तक नहीं बदली हैं। आज हमें देश की आजादी और उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ थोड़ा-सा फिक्रमंद भी होना चाहिए, क्योंकि जो चीजें हमारे लिए गुलामी की वजह बनी थीं, वे पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। मुट्ठीभर अंग्रेजों ने करोड़ों हिन्दुस्तानियों पर राज कैसे किया था? यहां धन-दौलत की कमी नहीं थी। योद्धाओं का अकाल नहीं पड़ गया था। खून में बुजदिली भी नहीं थी। तो हुआ क्या था? हमारे पूर्वज गुलाम इसलिए हुए थे, क्योंकि वे सही समय पर खतरा नहीं भांप सके थे। वे राजनीतिक रूप से एकजुट नहीं थे। उन्होंने वैज्ञानिक आविष्कारों की ओर उतना ध्यान नहीं दिया, जितना देना चाहिए था। एक किस्सा बड़ा मशहूर है। वर्ष 1857 की क्रांति को दबाने के बाद जब अंग्रेज अधिकारी हिन्दुस्तानी क्रांतिकारियों को ज़लील करने के मकसद से उनका जुलूस निकाल रहे थे तो आम लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने का हुक्म हुआ था। अंग्रेज अपनी धाक जमाने और खौफ पैदा करने के लिए बाद में भी कई क्रांतिकारियों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करते रहे थे। अगर आम जनता उसी वक्त मुट्ठीभर अंग्रेजों पर टूट पड़ती तो हमारा इतिहास कुछ और ही होता। अफसोस, उन लोगों ने ऐसा नहीं किया। अंग्रेज अपनी जुबान से हुक्म देता था, लेकिन हिन्दुस्तानियों पर गोलियां चलाने वाले, कोड़े फटकारने वाले और लाठियां बरसाने वाले हाथ किसके थे? क्रांतिकारियों की मुखबिरी करने वाले, उन्हें गिरफ्तार कराने वाले कौन थे? इस काम के बदले अंग्रेजों से इनाम वसूलने वाले कौन थे?

वे भी हिन्दुस्तान के लोग थे। उन्होंने राष्ट्रहित से ज्यादा स्वहित और स्वार्थ को महत्त्व दिया था, इसलिए हमें सदियों तक विदेशी आक्रांताओं एवं लुटेरों का गुलाम रहना पड़ा था। अगर वे बंदूकों, कोड़ों और लाठियों का रुख मोड़ देते, अपने हिन्दुस्तानी भाइयों-बहनों को न सताते तो हम बहुत पहले आजाद हो जाते। अगर राष्ट्रीय एकता की भावना प्रबल होती तो कोई ताकत हमें गुलाम बनाने की जुर्रत ही न कर पाती। हमें अपनी आजादी को बचाना है, इसे मजबूत करना है तो राष्ट्रहित को सबसे ऊपर रखना होगा। आजाद कौमें जिम्मेदार भी होती हैं। वे अपने नायकों और प्रतिभाओं की कद्र करती हैं। यह जानकर ताज्जुब होगा कि कई क्रांतिकारियों और उनके परिजनों के साथ समाज का बर्ताव अच्छा नहीं था। एक क्रांतिकारी, जो लेखक भी थे, जब आजादी की लड़ाई के सिलसिले में जेल गए तो पीछे से मकान मालिक ने किराया बढ़ा दिया और दूधवाले ने दूध बंद कर दिया था। अपनी आखिरी सांस तक अंग्रेजों से लड़ने वाले और मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले एक क्रांतिकारी की मां को अपने ही पड़ोसियों और रिश्तेदारों से तीखे बोल सुनने पड़े थे। उन्हें आर्थिक अभावों का सामना करना पड़ा था। भगत सिंह के एक साथी, जिन्हें वे अपना भाई मानते थे, को रोजगार के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ा था। वे कई बीमारियों से जूझते रहे। एक बार जब वे किसी जरूरी काम से सरकारी दफ्तर गए तो वहां बैठे अधिकारी ने उनसे स्वतंत्रता सेनानी होने का प्रमाण मांगा था! आज चेहरे बदल गए हैं, लेकिन रवैयों में बहुत बदलाव नहीं आया है। देश के प्रतिभाशाली और हर तरह से काबिल नौजवान रोजगार के लिए भटक रहे हैं। सरकारी दफ्तरों में घूसखोरी आम हो चली है। विद्यार्थियों को अपने संघर्ष के दिनों में समाज का साथ नहीं मिलता है। जब वे अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी जैसे देशों में जाकर कामयाब हो जाते हैं तो अपने देश में उन्हें अपना साबित करने की होड़ शुरू हो जाती है। जिस ब्रिटेन से हमने अपनी जान छुड़ाई थी, आज उसका वीजा मिलने को बहुत बड़ी उपलब्धि समझा जाता है, मिठाइयां बांटी जाती हैं! हमें आजादी का जश्न मनाने के साथ अपने देश को सशक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए। इस आजादी की नींव को असंख्य बलिदानियों ने अपने खून से सींचा था। हमें इसकी बहुत कद्र और इज्जत करनी चाहिए। सबको अनंत शुभकामनाएं।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान में मेडिकल कॉलेजों में मान्यता पाने की होड़ लगी हुई है, लेकिन बुनियादी सवालों को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। प्राइवेट संस्थान एक के बाद एक मान्यता ले रहे हैं, फिर भी ज़मीनी हकीकत परेशान करने वाली बनी हुई है।

-अशोक गहलोत

जी.एस. पाटिल को कर्नाटक विधानसभा का स्पीकर चुने जाने पर बधाई और शुभकामनाएं। आपका कार्यकाल सदन की गरिमा और परंपराओं को और मजबूत करे और कर्नाटक विधानसभा के अच्छे कामकाज में योगदान दे।

-ओम बिरला

आज अनूपगढ़ की अनाज मंडी की पवित्र भूमि पर क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देते हुए लगभग छ390 करोड़ की लागत वाली 131 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया, तथा एक जनसभा को संबोधित किया गया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

पगड़ी संभाल जट्टा आंदोलन

वर्ष 1907 में अंग्रेज सरकार ने तीन नए कृषि कानून लागू किए। इन कानूनों का मकसद केवल गरीब किसानों को तड़पाना और अंग्रेजों के चाटुकार साहूकारों का घर भरना था। इन कानूनों के तहत किसान न तो अपनी ज़मीन से पेड़ काट सकते थे और न ही उस ज़मीन पर झोपड़ी बना सकते थे। ऐसे में भारतीय किसान एकजुट हो गए। उन्होंने लायलपुर में, जो कि वर्तमान में पाकिस्तान में है, से आंदोलन आरंभ कर दिया। आंदोलन का नेतृत्व सरदार अजीत सिंह कर रहे थे। सरदार अजीत सिंह शहीद भगत सिंह के चाचा थे। धीरे-धीरे यह आंदोलन पूरे देश में फैल गया। अनेक पत्रकार भी इस आंदोलन का हिस्सा बन गए। 'झंग स्याल' नामक अखबार के संपादक बांके दयाल इस आंदोलन से पूरी तरह जुड़ गए। वे एक कवि भी थे। जब किसान अंग्रेजों के खिलाफ एकजुट होकर नारे लगाते तो बांके दयाल अपनी कविता गाकर उनका जोश बढ़ाते। इस कविता के बोल थेपगड़ी संभाल जट्टा। पगड़ी संभाल ओ। सीने विच खावें ती। रांझा तूं देश ए ही। संभल के चल ओए वी। रस्ते विच खोल ओ।' यह कविता धीरे-धीरे सभी किसानों को पूरी याद हो गई।

स्वतंत्रता के 79 वर्ष

सामयिक

उपलब्धियों का उत्सव, आत्ममंथन का अवसर

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

15 अगस्त भारत की आत्मा, स्वाभिमान और सामूहिक संकल्प का उत्सव है। यह वह ऐतिहासिक क्षण है, जब सदियों की पराधीनता के बाद भारत ने स्वतंत्रता का अमृत प्राप्त किया और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित एक नए युग की शुरुआत की। स्वतंत्रता के 79 वर्षों की इस यात्रा में भारत ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं, अनेक चुनौतियों का सामना किया है और अनेक ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिन पर प्रत्येक भारतीय गर्व कर सकता है। आज जब पूरा देश तिरंगे के सम्मान में एकजुट होकर स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, तब यह अवसर केवल उपलब्धियों का उत्सव मनाने का ही नहीं बल्कि आत्ममंथन और भविष्य के संकल्प का भी है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह अपने आप में एक ऐसी उपलब्धि है, जिसकी मिसाल दुनिया में बहुत कम मिलती है। विविध भाषाओं, संस्कृतियों, धर्मों और परंपराओं से समृद्ध इस देश ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को न केवल सफलतापूर्वक अपनाया बल्कि उसे लगातार सशक्त भी बनाया। करोड़ों मतदाता नियमित रूप से चुनावों में भाग लेते हैं, सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण होता है और संविधान सर्वोच्च मार्गदर्शक के रूप में देश को दिशा देता है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने विकास की जिस यात्रा का आरंभ किया था, वह आज वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान बना चुकी है। कभी खाद्यान्न संकट से जूझने वाला देश आज दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों में शामिल है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान में भारतीय वैज्ञानिकों ने सीमित संसाधनों के बावजूद ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिन्होंने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। चंद्रयान और आदित्य जैसे मिशनों ने सिद्ध कर दिया है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं बल्कि ज्ञान और नवाचार का नेतृत्व करने वाला देश बन रहा है।

डिजिटल क्रांति ने लोकतंत्र को नई शक्ति प्रदान की है। आज सरकारी सेवाएं डिजिटल माध्यम से लोगों तक पहुंच रही हैं। डिजिटल भुगतान, आधार, यूपीआई, ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन और ई-गवर्नेंस जैसी व्यवस्थाओं ने शासन को अधिक पारदर्शी, तेज और नागरिक-केंद्रित बनाया है। ग्रामीण भारत भी डिजिटल परिवर्तन का सहभागी बन रहा है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं बल्कि लोकतंत्र को अधिक सहभागी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भारत की आर्थिक यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। आज देश विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार, विनिर्माण, हरित ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उद्यमिता की नई संस्कृति विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार कर रही है।

निश्चित रूप से यह भी स्वीकार करना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता। उसकी वास्तविक सफलता तब मानी जाती है, जब संसद, विधानसभाएं, न्यायपालिका, मीडिया और नागरिक समाज अपनी-अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें। संसदीय बहसें जितनी सार्थक होंगी, नीतियां उतनी ही प्रभावी बनेंगी। स्वस्थ संवाद, रचनात्मक विपक्ष, जवाबदेह सरकार और जागरूक नागरिक, इन्हीं चार स्तंभों पर लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती निर्भर करती है। आज भारत अनेक नई चुनौतियों का भी सामना कर रहा है। तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियां, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, सामाजिक समरसता, रोजगार, शिक्षा की गुणवत्ता और तकनीकी परिवर्तन जैसे विषय हमारे सामने हैं। इन चुनौतियों का समाधान केवल सरकारों से नहीं बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से संभव है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब नागरिक केवल अधिकारों की बात न करें बल्कि अपने कर्तव्यों के प्रति भी समान रूप से सजग रहें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक मतभेद लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रहें। विचारों का संघर्ष लोकतंत्र की शक्ति है लेकिन व्यक्तिगत कटुता और संस्थाओं के प्रति अविश्वास उसकी कमजोरी बन सकते हैं। संसद और विधानसभाएं केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के मंच नहीं बल्कि जनहित के सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान हैं। इनकी गरिमा बनाए रखना सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की समान जिम्मेदारी है। लोकतंत्र की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार नागरिकों का चरित्र होता है। यदि समाज ईमानदारी, अनुशासन, संवेदनशीलता और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है तो लोकतांत्रिक संस्थाएं भी स्वतः सुदृढ़ होती हैं। भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक वैमनस्य और असहिष्णुता जैसी चुनौतियों का समाधान केवल कानून से नहीं, नैतिक जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व से भी संभव है।

स्वतंत्रता दिवस हमें उन लाखों ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है, जिन्होंने बिना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के अपना सर्वस्व राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। उनका सपना केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं था बल्कि ऐसा भारत बनाना था, जहां समान अवसर, सामाजिक न्याय, शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, आर्थिक समृद्धि और मानवीय गरिमा प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध हो। आज विकसित भारत-2047 का संकल्प उसी स्वप्न का आधुनिक विस्तार है। भारत आज दुनिया में शांति, लोकतंत्र, सह-अस्तित्व और वसुधैव कुटुम्बकम के संदेश के साथ आगे बढ़ रहा है। वैश्विक मंचों पर उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, आर्थिक क्षमता, वैज्ञानिक उपलब्धियां और सांस्कृतिक विरासत इस बात का प्रमाण हैं कि भारत केवल अपने लिए नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए सकारात्मक भूमिका निभाने की क्षमता रखता है।

स्वतंत्रता के 79 वर्षों की यात्रा हमें यह विश्वास दिलाती है कि चुनौतियां चाहे कितनी भी बड़ी हों, भारत ने हर कठिन दौर को अवसर में बदलने की क्षमता दिखाई है। यही हमारी लोकतांत्रिक शक्ति है और यही हमारी राष्ट्रीय पहचान। आज आवश्यकता केवल इतनी है कि हम संविधान के आदर्शों, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित को अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखें। यदि प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करे, प्रत्येक जनप्रतिनिधि जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे और प्रत्येक संस्था अपनी संवैधानिक मर्यादा का पालन करे तो विकसित, समृद्ध, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत का सपना निश्चित रूप से साकार होगा। इस स्वतंत्रता दिवस पर आइए, हम केवल आजादी का उत्सव न मनाएं बल्कि एक नए भारत के निर्माण का संकल्प भी लें, ऐसा भारत, जो लोकतांत्रिक मूल्यों में और अधिक मजबूत हो, वैज्ञानिक दृष्टि में अग्रणी हो, सामाजिक समरसता का प्रतीक हो और विश्व समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत बने। यही स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही आजादी के वास्तविक अर्थ को सार्थक करने का सर्वोत्तम मार्ग भी।

नजरिया

15 अगस्त तीज पर विशेष

महिलाओं का उत्सव है तीज

रमेश सर्राफ
मोबाइल : 9414255034

तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौंहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं।

तीज का उत्सव श्रावण मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। यह महिलाओं का उत्सव है। सावन में जब सम्पूर्ण प्रकृति हरी ओढ़नी से आच्छादित होती है उस अवसर पर महिलाओं के मन मयूर नृत्य करने लगते हैं। वृक्ष की शाखाओं में झूले पड़ जाते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसे कजली तीज के रूप में मनाते हैं। सुहागन स्त्रियों के लिए यह व्रत बहुत महत्व रखता है। आस्था, उमंग, सौंदर्य और प्रेम का यह उत्सव शिव-पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। चारों ओर हरियाली होने के कारण इसे हरियाली तीज कहते हैं। इस अवसर पर महिलाएं झूला झूलती हैं, लोकगीत गाती हैं और आनन्द मनाती हैं। सौंदर्य, प्रेम के उत्सव और आस्था के इस व्रत का महिलाओं के लिए बड़ा महत्व है, विशेष रूप से नव विवाहिताओं के लिए। यह त्योहार मुख्य रूप से उत्तर भारत (राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर पदेश, बिहार और झारखंड) में धूमधाम से मनाया जाता है। परंपरा के अनुसार नवविवाहिताएं पहला व्रत मायके में रखती हैं और इसके लिए झूले सजाए जाते हैं, लोक गीत गाए जाते हैं। देश के कई हिस्सों में मेले लगते हैं और माता पार्वती की सवारी निकाली जाती है।

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं।

श्रावण मास का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं।

सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है। श्रावण में में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं। तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है।

राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्वारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है। तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्वारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है।

तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौंहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्यौंहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिये राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है 'तीज त्यौंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर।'

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बलूचिस्तान के मंत्री के काफिले पर सशस्त्र हमला, बाल-बाल बचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची/भाषा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के एक मंत्री शुक्रवार को अपने काफिले पर हुए सशस्त्र हमले में बाल-बाल बच गए। इस हमले में तीन पुलिसकर्मियों समेत छह लोग घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद के अनुसार, प्रांतीय गृह मंत्री मीर जियाउल्लाह लांगोव के काफिले पर यह हमला मस्तुंग जिले के खड कोचा इलाके में हुआ जब वह क्वेटा से कलात जा रहे थे। रिंद ने कहा, हमले में छह लोग घायल हुए हैं, लेकिन मंत्री सुरक्षित हैं और काफिला क्वेटा लौट आया है।

मस्तुंग का खड कोचा इलाका सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बन गया है। पिछले महीने से अब तक यह चौथी घटना है, जब इसी राजमार्ग पर यात्रियों को आतंकवादियों ने निशाना बनाया है। इन घटनाओं के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ इलाके में बड़ा अभियान चलाया था, इसके बावजूद फिर से हमला हुआ है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले में छह लोगों को गोली लगी जिनमें तीन पुलिसकर्मी शामिल हैं। इनमें से दो की हालत गंभीर है। घायलों को क्वेटा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

बीएचईएल ने पीईएम इलेक्ट्रोलाइजर प्रणाली के लिए नार्वे की हाइस्टार के साथ किया रणनीतिक समझौता

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने देश में हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं के लिए नॉर्वे की हाइस्टार एएस के साथ रणनीतिक समझौता किया है। इसका मकसद पीईएम इलेक्ट्रोलाइजर प्रणालियों के चरणबद्ध स्वदेशीकरण और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देना है। समझौते पर बीएचईएल के कार्यकारी निदेशक वाई. श्रीनिवास राव (हेवी पावर इक्विपमेंट प्लांट, हैदराबाद) और महाप्रबंधक एवं प्रमुख (न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी बिजनेस) सुतृप्तो डे तथा हाइस्टार एएस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फ्रेड्रिक मोविल ने हस्ताक्षर किए।

बीएचईएल इस वर्ष में ही एल्कलाइन इलेक्ट्रोलाइजर प्रणाली के लिए थाइसनक्रुप न्यूसेरा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ रणनीतिक समझौता कर चुका है। हाइस्टार के साथ पीईएम इलेक्ट्रोलाइजर प्रणाली को लेकर हुआ यह समझौता देश के उभरते हरित हाइड्रोजन बाजार में बीएचईएल की स्थिति को और मजबूत करेगा। इस साझेदारी के बाद बीएचईएल उन चुनिंदा भारतीय कंपनियों में शामिल हो गया है, जो एल्कलाइन और पीईएम दोनों तरह की इलेक्ट्रोलाइजर प्रणालियों की पेशकश करने में सक्षम हैं। बीएचईएल भारत की अग्रणी इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण कंपनियों में से एक है, जिसे बिजली, पारेषण, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस, परिवहन, रक्षा और वैमानिक क्षेत्रों में दशकों का अनुभव प्राप्त है।

यह समझौता राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन और भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल में बीएचईएल के योगदान को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

'जीतो' के कॉन्टैक्ट से पृथ्वीराज कोठारी के नाम पर 75 लाख की ठगी, दो गिरफ्तार, 25 लाख बरामद

बिजनेस सेक्टर और जीतो सदस्यों को सतर्क रहने की जरूरत

विशेष संवाददाता
dakshinbharat.com

अहमदाबाद। बुलियन कारोबारी और जीतो अपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी के नाम पर हैदराबाद के एक कारोबारी से 75 लाख की ठगी के मामले में अहमदाबाद पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने जीतो की वेबसाइट से व्यापारियों के मोबाइल नंबर हासिल किए और बाद में फर्जी पहचान के जरिए कारोबारियों से संपर्क किया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम मोड़सिंह उर्फ विक्रमसिंह राजपुरोहित और भरतगिरि खेमगिरि गोस्वामी है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपियों के खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों में कम से कम 22 मामलों में संलिप्तता की जांच की जा रही है। इस मामले में एक अन्य आरोपी के फरार होने की जानकारी भी सामने आई है।

पूरा मामला इस प्रकार बताया गया है कि 8 जुलाई को हैदराबाद के कारोबारी रोहन जैन से मोबाइल पर संपर्क किया गया। फोन करने वाले ने कथित तौर पर खुद को पृथ्वीराज कोठारी बताया। बातचीत के दौरान कारोबारी का विश्वास हासिल करने के बाद उसे 75 लाख अहमदाबाद की एक अंगड़िया फर्म के माध्यम से भेजने के लिए कहा गया।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने जीतो की वेबसाइट पर उपलब्ध सदस्यों के संपर्कों का इस्तेमाल किया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अन्य व्यापारियों के मोबाइल नंबर भी जीतो की वेबसाइट से हासिल करने की बात स्वीकार की है।

अहमदाबाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को 12 अगस्त को गिरफ्तार किया। उनके पास से 25 लाख नकद और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। यह मामला मूल रूप से हैदराबाद में दर्ज हुआ था, जिसे अहमदाबाद की कालूपुर पुलिस को स्थानांतरित किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में दर्ज 22 मामलों से उनके संबंधों की जांच की जा रही है।

पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या अन्य मामलों में भी प्रतिष्ठित कारोबारी या उद्योगपतियों की पहचान का इस्तेमाल कर व्यापारियों से संपर्क किया गया था? यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों ने जीतो की वैबसाइट से कितने व्यापारियों के मोबाइल नंबर हासिल किए और उनमें से कितने लोगों से संपर्क किया गया ? साथ ही जिस अंगड़िया फर्म के माध्यम से 75 लाख भेजने के लिए कहा गया था, उसकी भूमिका और आरोपियों के साथ उसके संभावित संपर्क की भी जांच की जा सकती है।

जीतो के एपेक्स चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी ने अपील की है कि जीतो सदस्यों और व्यापारिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को फोन पर संपर्क में, वित्तीय लेनदेन में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। किसी परिचित कारोबारी, संस्था के पदाधिकारी या व्यावसायिक संपर्क के नाम से फोन आने पर केवल मोबाइल नंबर या आवाज के आधार पर लेनदेन करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इस मामले के आरोपियों पर पृथ्वीराज कोठारी के नाम, पहचान और व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर कारोबारी को विश्वास में लेने का आरोप है। अहमदाबाद पुलिस की आगे की जांच से यह स्पष्ट होगा कि इस मामले में आरोपियों का नेटवर्क कितना बड़ा था और जीतो की वेबसाइट से हासिल किए गए कारोबारी संपर्कों का कथित रूप से कितने मामलों में इस्तेमाल किया गया। इसीलिए अतिरिक्त सावधानी बरतते हुए विशेष रूप से यदि किसी फोन कॉल में तत्काल बड़ी रकम भेजने, माल देने या किसी विशेष अंगड़िया के माध्यम से भुगतान करने के लिए कहा जाए तो संबंधित व्यक्ति से उसके पहले से उपलब्ध नंबर पर संपर्क कर स्वतंत्र रूप से पुष्टि करना उचित होगा।

जेनेलिया देशमुख ने की 'ऑपरेशन सफेद सागर' की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

कुछ कहानियां इतिहास के उन पन्नों से अवगत करवाने के लिए प्रदर्शित की जाती हैं, जो पुराने दस्तावेजों में दबी होती हैं। हालिया रिलीज ऐतिहासिक वॉर ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' कुछ ऐसी ही कहानी पेश करती है। गुरुवार को अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख ने जमकर सराहना की। सीरीज को मनोरंजन जगत से काफी सपोर्ट देखने को मिल रहा है। अभिनेता अजय देवगन, गजराज राव के बाद अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख भी सीरीज की तारीफ करने से खुद को नहीं रोक पाई। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सीरीज का पोस्टर शेयर किया, जिसमें उन्होंने सभी को सीरीज की जमकर तारीफ करने के साथ-साथ देखने की अपील की। जेनेलिया ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने काफी समय बाद शानदार प्रोजेक्ट देखा है। अपने पोस्ट में उन्होंने सिद्धार्थ और जिम्मी शेरगिल की सराहना करने के साथ सभी कलाकारों और क्रू को बधाई दी।

अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख ने लिखा, जब कोई माता-पिता अपने बच्चों के कोई फिल्म देखने के लिए कहता है, तो बस इतना समझिए कि वो फिल्म दिल से बनी है और बहुत खास है। सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर ने मुझे बिल्कुल यही एहसास करवाया है। काफी समय के बाद इतनी अच्छी और दिल छू लेने वाली कहानी देखी। सिद्धार्थ, तुम पर मुझे गर्व है, जिम्मी शेरगिल को भी ढेर सारी शुभकामानएं, प्यार और बधाई।इसके साथ ही अभिनेत्री ने फिल्म के मुख्य कलाकारों को टैग किया, साथ ही, सभी के बेहतरीन काम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, सीरीज के सभी कलाकारों और पूरी कास्ट और क्रू, आप सभी कमाल के थे।'ऑपरेशन सफेद सागर' 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना (आईएएफ) द्वारा चलाए गए ऐतिहासिक उच्च-तुंगता हवाई मिशन की सच्ची और अनकही कहानी पर आधारित है। इस सीरीज की खासियत यह है कि यह युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि पायलटों के व्यक्तिगत जीवन, उनकी ट्रेनिंग, परिवारों की चिंता और सैनिकों के मानवीय जज्बे को भी गहराई से दर्शाती है। ओनी सेन द्वारा निर्देशित सीरीज में जिमी शेरगिल, सिद्धार्थ, दीया मिर्जा, अभय वर्मा, आदिल हुसैन और प्राजक्ता कोली समेत कई कलाकार अहम रोल में नजर आ रहे हैं। 6 एपिसोड वाली सीरीज नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

प्रियंका चोपड़ा ने श्रीदेवी के जीवन पर आधारित किताब 'एम्प्रेस' के आवरण का विमोचन किया

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने दिवंगत श्रीदेवी के पांच दशक के कॅरियर और उनकी यादगार विरासत को बयां करने वाली किताब ''एम्प्रेस : द डेफिनिटिव बायोग्राफी ऑफ श्रीदेवी'' के आवरण का विमोचन किया। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, धीरज कुमार द्वारा लिखी गई और वेस्टलैंड बुक्स द्वारा प्रकाशित यह किताब श्रीदेवी के बचपन के हुनर से लेकर भारतीय सिनेमा की बड़ी कलाकार बनने तक के सफर को दिखाती है। इसमें उनकी 300 से ज़्यादा फिल्मों का ज़िक्र है। प्रियंका ने बृहस्पतिवार को श्रीदेवी के जन्मदिन के मौके पर सोशल मीडिया पर इस पुस्तक का आवरण जारी किया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, बेमिसाल। आपकी बहुत याद आती है। स्वर्ग में जन्मदिन मुबारक हो। ''एम्प्रेस'' जल्द आ रही है।'' श्रीदेवी के जीवन पर आधारित यह किताब मूलत: नायक प्रधान फिल्म उद्योग में उनके अभूतपूर्व तरीके से 'स्टारडम' हासिल करने, उनके जबरदस्त अभिनय और कई पीढ़ियों के अदाकारों और दर्शकों पर उनके असर का जायजा लेती है। इसमें सुर्खियों से दूर अभिनेत्री की जिंदगी की झलक भी दिखाई देती है और भारतीय सिनेमा के विकास के साथ उनके करियर को भी दर्शाया गया है। ''एम्प्रेस'' में भारतीय फिल्म जगत की जानी-मानी हस्तियों द्वारा लिखी गई सात प्रस्तावनाएं, अमिताभ बच्चन और जावेद अख्तर का खास योगदान और 150 से अधिक दुर्लभ तस्वीरें शामिल हैं। वेस्टलैंड बुक्स की कार्तिका वी.के. ने कहा कि कुमार द्वारा लिखी गई इस किताब को प्रकाशित करना सम्मान की बात है।

तिरंगा यात्रा

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत 'तिरंगा यात्रा' में भाग लेते भारतीय जनता पार्टी के नेता और समर्थक।

मंत्री ने विजयनगर में ध्वजारोहण की जिम्मेदारी और जिले के प्रभारी की भूमिका से छूट मांगी

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री बी. जमीर अहमद खान के स्वतंत्रता दिवस पर विजयनगर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने से छूट मांगने के बाद सरकार ने यह जिम्मेदारी मंत्री के. एस. बसवंथप्पा को सौंप दी। बेंगलूरु के चामराजपेट से विधायक खान ने समय की कमी का हवाला देते हुए विजयनगर जिले के प्रभारी मंत्री की जिम्मेदारी लेने से भी इनकार कर दिया है। उन्होंने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को पत्र लिखकर इन दोनों जिम्मेदारियों से छूट मांगी।

खान ने अपने पत्र में कहा, ''आने वाले दिनों में राज्य में कई स्थानीय निकायों (जैसे बीबीएमपी जिसे अब ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी-जीबीए कहा जाता है) के चुनाव, विधानसभा उपचुनाव और पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियां होंगी।

संदीपा धर ने किए शंकराचार्य मंदिर के दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस संदीपा धर इन दिनों कश्मीर की वादियों से लगातार खूबसूरत तस्वीरें अपने फैंस के साथ साझा कर रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी इस यात्रा की शुरुआत आध्यात्मिक अनुभव से की। श्रीनगर पहुंचते ही वह सबसे पहले शंकराचार्य मंदिर पहुंचीं। पहाड़ी की चोटी पर बने इस मंदिर तक पहुंचने के लिए उन्हें करीब 250 सीढ़ियां चढ़नी पड़ीं। रास्ता आसान नहीं था, लेकिन ऊपर पहुंचने के बाद उन्हें जो अनुभव मिला, उसने पूरी थकान भुला दी। संदीपा ने इंस्टाग्राम पर अपनी इस यात्रा की झलकियां शेयर करते हुए कहा, ''श्रीनगर में आने के बाद सबसे पहली इच्छा इसी मंदिर में जाने की थी। शंकराचार्य पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक पहुंचने के लिए मुझे लगातार सीढ़ियां चढ़नी थीं। ऊंचाई पर चढ़ते हुए पहाड़ की हवा और खड़ी चढ़ाई ने मुश्किलों को बढ़ा दिया। बीच रास्ते में मेरे पैर कांपने तक लगे थे, लेकिन मैंने चढ़ाई जारी रखी।'' उन्होंने कहा, ''आखिरकार जब मैं मंदिर की चोटी तक पहुंचीं तो ऐसा लगा, जैसे मेरी मेहनत

सफल हो गई हो। वहां मैंने पवित्र शिवलिंग के दर्शन किए और कुछ समय प्रार्थना की। मंदिर का शांत माहौल और आसपास का आध्यात्मिक वातावरण काफी खास था।''

संदीपा ने उस जगह पर खड़े होने का अनुभव भी साझा किया, जहां मान्यता है कि आदि शंकराचार्य ने सदियों पहले ध्यान किया था। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने महसूस किया कि इस जगह में एक अलग तरह की ऊर्जा है, जिसे शब्दों में बताना आसान नहीं है।पहली बार शंकराचार्य मंदिर पहुंचीं संदीपा ने अपने दर्शन को बेहद सौभाग्यशाली बताया और अपनी पोस्ट में 'ॐ नमः शिवाय' लिखा।

शंकराचार्य मंदिर धार्मिक महत्व के साथ-साथ अपनी लोकेशन के लिए भी खास है। यह मंदिर कश्मीर घाटी से करीब 1,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। चोटी पर पहुंचने के बाद यहां से श्रीनगर शहर और डल झील का शानदार नजारा दिखाई देता है।इस मंदिर का इतिहास भी काफी पुराना माना जाता है। इसे कश्मीर के प्राचीन मंदिरों में शामिल किया जाता है और इसकी शुरुआत करीब 200 ईसा पूर्व के आसपास मानी जाती है।

मंदिर का नाम आदि शंकराचार्य से जुड़ा है और मान्यता है कि उन्होंने यहां ध्यान किया था। हालांकि, इतिहास को लेकर अलग-अलग मत भी मौजूद हैं। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि इस स्थान का इस्तेमाल शुरुआती दौर में बौद्ध उपासना के लिए किया जाता था और बाद में यह हिंदू धार्मिक स्थल के रूप में विकसित हुआ। अगर संदीपा के काम की बात करें तो वह जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज 'चुंबक' में नजर आने वाली हैं।

सलमान खान और संजय दत्त की फिर दिखेगी जोड़ी, '7 डॉग्स' के ट्रेलर ने बढ़ाई हलचल

मुंबई/एजेन्सी

सलमान खान और संजय दत्त को एक साथ पर्दे पर देखने का अपना ही क्रेज है। दोनों जब भी किसी प्रोजेक्ट में साथ नजर आते हैं, फैंस की दिलचस्पी अपने आप बढ़ जाती है। अब एक बार फिर यह जोड़ी चर्चा में है लेकिन इस बार मामला किसी बॉलीवुड फिल्म का नहीं बल्कि एक बड़े इंटरनेशनल एक्शन प्रोजेक्ट का है। ग्लोबल एक्शन थ्रिलर '7 डॉग्स' का ट्रेलर भारत में रिलीज हो चुका है। इसमें सलमान खान और संजय दत्त की खास मौजूदगी देखने को मिल रही है। ट्रेलर ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। सलमान खान ने भी फिल्म का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। फिल्म में सलमान और संजय दत्त का स्पेशल एक्शन अपीयरेंस है। हालांकि, दोनों फिल्म की कहानी में किस भूमिका में हैं, यह अभी पूरी तरह सामने नहीं आया है, लेकिन ट्रेलर में उनकी मौजूदगी फैंस के बीच भी उत्सुकता बढ़ाती है।

अन्य स्टारकास्ट की बात करें, तो फिल्म में मिस्र के मशहूर अभिनेता करीम अब्देल अजीज और अहमद एज मुख्य भूमिका में हैं। भारत की तरफ से सलमान खान और संजय दत्त इस बड़े इंटरनेशनल कास्ट का हिस्सा हैं। इनके अलावा हॉलीवुड और यूरोप से मोनिका बेलुची, जियानकार्लो एस्पोसिटो और मार्टिन लॉरेंस जैसे नाम भी फिल्म से जुड़े हैं। वहीं तारा इमाद, नासिर अल-कसाबी और मैक्स हुआंग भी अहम कलाकारों में

शामिल हैं।ट्रेलर में शुरुआत से ही एक्शन देखने को मिलता है। कहानी के केंद्र में करीम अब्देल अजीज और अहमद एज नजर आते हैं, जबकि अलग-अलग हिस्सों में बाकी कलाकारों की झलक दिखाई देती है। तेज रफ्तार एक्शन, खतरनाक स्टंट और बड़े पैमाने पर शूट किए गए सीक्वेंस फिल्म को एक इंटरनेशनल एक्शन थ्रिलर वाला अंदाज देते हैं। सलमान और संजय की एंट्री इस पूरे माहौल में एक अलग ही रंग जोड़ती है। '7 डॉग्स' के निर्देशन की जिम्मेदारी आदिल एल अरबी और बिलाल फलाह ने संभाली है। यह वही निर्देशक जोड़ी है, जिसने हॉलीवुड की मशहूर 'बैड बॉयज' फ्रेंचाइजी की फिल्मों 'बैड बॉयज फॉर लाइफ' और 'बैड बॉयज: राइड और डाइ' का निर्देशन किया है। इसका निर्माण सेला स्टूडियोज ने किया है। '7 डॉग्स' 21 अगस्त को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

श्री डी. के. शिवकुमार
माननीय मुख्यमंत्री

डा. जी. परमेश्वर
माननीय उपमुख्यमंत्री

सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ

80वाँ स्वतंत्रता दिवस

युवा कर्नाटक नवा भारत

सच्ची आज़ादी का अर्थ आज युवाओं को बिना किसी सीमा के सपने देखने के लिए सशक्त बनाना, हर परिवार को भूख और आर्थिक चिंता से मुक्त करना, महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा करना और प्रत्येक नागरिक के लिए गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना है।

कर्नाटका की पाँच गारंटी योजनाएँ इन आकांक्षाओं को वास्तविकता में बदल रही हैं, जिससे लाखों लोगों के जीवन में नई आशा, सुरक्षा और अवसर आ रहे हैं।

महात्मा गांधी के अंत्योदय' और सर्वोदय' के आदर्शों से प्रेरित तथा **डॉ. बी. आर. अंबेडकर** के **संवैधानिक मूल्यों** द्वारा निर्देशित, हम **युवा कर्नाटका, नवा भारत'** की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं – जो **कर्नाटका के विकास मॉडल पर आधारित है** और हमारे युवाओं की ऊर्जा एवं आकांक्षाओं से प्रेरित है।

गारंटी सरकार

हमारी जीवंत संस्कृति और परंपरा की रक्षा और सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है, जो हमारे संविधान द्वारा प्रदान किया गया है।

Shakthi शक्ति | Anna Bhagya अन्न भाग्य | Gruha Jyothi गृह ज्योति | Gruha Lakshmi गृह लक्ष्मी | Yuva Nidhi युवा निधि

स्वतंत्रता दिवस संदेश सुनने के लिए स्कैन करें।

CMofKarnataka https://dipr.karnataka.gov.in/ Karnatakavarthe karnataka information

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**